@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 17 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 17 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के सामने फिर पेश नहीं हुए कांग्रेस सांसद

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होने के लिए कुछ दिन की मोहलत मांगी है। बता दें कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग और साल 2011 में चीनी नागरिकों को वीजा जारी कराने के मामले में कार्ति चिदंबरम को समन जारी किया था। अब कार्ति चिदंबरम ने आरोप लगाया है कि ईडी द्वारा जो दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वह मामले से बिल्कुल भी संबंधित नहीं हैं और उन्हें मांगे गए दस्तावेज इकट्ठा करने के लिए समय चाहिए। ईडी ने पहले कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को 12 दिसंबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया था। इस पर कार्ति चिदंबरम ने संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल होने का हवाला देकर पूछताछ के लिए पेश होने में असमर्थता जताई। इस पर ईडी ने 16 दिसंबर को कार्ति को जांच अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया। अब मांगे गए दस्तावेज इकट्ठा करने का हवाला देकर कार्ति चिदंबरम ने एक बार फिर पूछताछ के लिए पेश ना होने में असमर्थता जताई। कार्ति ने अपने वकील के माध्यम से ईडी को 100 पेज का जवाब भेजा है। इस जवाब के साथ उन्होंने अपना चुनावी हलफनामा, आयकर रिटर्न, बैंक खाते की जानकारी और अचल संपत्ति संबंधी दस्तावेज भी संलग्न किए हैं। कार्ति ने एजेंसी द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज इकट्ठा करने के लिए ईडी के सामने पेश होने में कुछ दिन की छूट मांगी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईडी ने कार्ति चिदंबरम की अपील पर विचार किया है या नहीं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जो दस्तावेज मांगे गए हैं, उनका मामले से कोई लेना-देना नहीं है और इस मामले में उनके और उनके परिवार से संबंधित वित्तीय दस्तावेज मांगने की कोई जरूरत नहीं है।

संसद की सुरक्षा में चूक की वजह बेरोजगारी: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसके लिए मोदी सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह बेरोजगारी है। राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, यह क्यों हुआ है? देश में मुख्य मुद्दा बेजोरगारी है। पीएम मोदी की नीतियों के कारण देश के युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। इस घटना का मुख्य कारण बेरोजगारी और महंगाई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। हम बार बार सदन में मांग कर रहे हैं कि केंद्रीय मंत्री यहां आए और बयान दें, लेकिन वह आना नहीं चाहते हैं। वह सदन को चलने देने के लिए तैयार नहीं है। यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं है, लेकिन उन लोगों से भी बात करके को फायदा नहीं जिन्हें लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। वह कांग्रेस का नाम लेकर और नेहरू-गांधी को बदनाम करके वोट लेते हैं। उनका काम केवल हमें बदनाम करना और वोट लेना है। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि विपक्षी पार्टियों ने नहीं बल्कि दिल्ली पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला करार दिया है। उन्होंने कहा, दिल्ली

पुलिस ने इसे आतंकवादी हमला बताया है। यह गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है। है न? हमने (विपक्षी पार्टियों) इस घटना का राजनीतिकरण नहीं किया है और न ही इसे आतंकी हमला बताया है। हम केवल सरकार की तरफ से सुरक्षा में भारी चूक पर अपनी चिंता जता रहे हैं। सदन में कांग्रेस के 13 सांसदों को निलंबित करने के एक सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा, आपलोग हमसे कहते हैं कि यह इमारत (संसद भवन) दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह होगी और जो दूसरी तरफ हुआ, वह सुरक्षा में चूक की वजह से हुआ। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने पर सदस्यों (विपक्ष) को सजा दी गई। किन कारणों से उन सांसदों को निलंबित किया गया है? कांग्रेस के 13 सांसदों के अलावा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्राइन को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस ने शनिवार को ऑनलाइन क्राउडफंडिंग अभियान (पैसे जुटाने का अभियान) डोनेट फॉर देश की शुरुआत की घोषणा की। मीडिया को संबोधित करते हुए वेणुगोपाल ने कहा, इस अभियान को आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 18 दिसंबर को शुरू किया जाएगा। हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों, डीसीसी के अध्यक्ष, पीसीसी अध्यक्ष और एआईसीसी पदाधिकारियों को कम से कम 1380 रुपये का योगदान देना होगा। वेणुगोपाल ने कहा कि कआाउड फंडिंग अभियान पार्टी के 138 वर्षों की यात्रा के जश्न पर आधारित है। उन्होंने बताया कि क्राउड फंडिंग अभियान 28 दिसंबर तक ऑनलाइन प्रचलन में रहेगा, जिससे कि पार्टी इस अभियान को जमीनी स्तर पर लॉन्च कर सके। वहीं राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार किया है।

राहुल ने सात गारंटी की बात की लेकिन लोगों ने नकार दिया

मुंबई, 16 दिसंबर। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बैठक को संबोधित करते हुए हाल ही में विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में भाजपा की जीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने राहुल गांधी के सात गरंटी को अस्वीकार कर दिया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल एक ही गारंटी काफी है और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा, शिंदे गुट वाली शिवसेना और अजित पवार गुट वाली राकांपा की महा युक्ति एकसाथ आगामी चुनाव लड़ेगी। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा के जीत के बाद पार्टी में उत्साह का महौल है। फडणवीस ने बताया कि प्रत्येक चुनाव को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि हम जीतेंगे। मुझे उम्मीद है कि जनता एकबार फिर देश की सत्ता मोदी जी के हाथों में देगी। आज आम आदमी जानता है कि पीएम मोदी ही देश का विकास कर सकते हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा, विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने सात गारंटी की बात कही थी, लेकिन लोगों ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने दिखा दिया कि केवल एक ही गारंटी काफी है, वह है पीएम मोदी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, विपक्षी इंडिया गठबंधन का कोई एजेंडा नहीं है। वे केवल मोदी को उखाड़ फेंकने के मकसद से एकजुट हुए हैं। फडणवीस ने बताया कि महा युक्ति आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव एकसाथ लड़ेगी। उन्होंने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं को सीट बंटवारे को लेकर सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि भगवा पार्टी को उतनी सीटें मिलेगी, जितनी उन्होंने उम्मीद की है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा: प्रधानमंत्री मोदी ने पांच राज्यों के लिए दिखाई हरी झंडी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बातचीत भी की। यात्रा पहले अन्य राज्यों में शुरू हुई थी। चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण पांच राज्यों में इसको शुरू करने में देरी हुई। पीएम मोदी ने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वाले विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से भी बातचीत की। ऐसे ही एक लाभार्थी से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश की आत्मनिर्भर महिलाएं न केवल अपना भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी वरदान बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे प्रतिबद्ध और कड़ी मेहनत करने वाले लोगों के लिए लगातार काम कर रही है। इससे

पहले कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हर किसी का काम अब तेजी से होता है क्योंकि देश के लोग मोदीजी के वीआईपी बन गए हैं। पुरी ने कहा, यह पीएम मोदी की चिंता थी कि कोई भी पीछे न छूटे। बहुत से लोग यात्रा करते हैं। कुछ शारीरिक लाभ के लिए और कुछ व्यक्तिगत लाभ के लिए। लेकिन यह यात्रा ऐसी है जो देश के 140 करोड़ लोगों के लाभ के लिए है। देशभर से हजारों लोग विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय प्रतिनिधि भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी तब शुरू होती है जब हर किसी से उम्मीद खत्म हो जाती है। कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री की यह तीसरी बातचीत है। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

भारत और ओमान के बीच आर्थिक साझेदारी हुई और मजबूत

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। भारत-ओमान के बीच आर्थिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ओमान-भारत संयुक्त निवेश कोष की तीसरी किस्त की घोषणा की गई है, जो दोनों देशों के बीच व्यापार और पूंजी सहयोग में एक प्रमुख मील का पत्थर है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने शनिवार को एक विशेष ब्रीफिंग में ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान हासिल की गई इस उपलब्धि के बारे में बताया। उन्होंने कहा, भारत-ओमान व्यापार और पूंजी सहयोग के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ओमान-भारत संयुक्त निवेश कोष की तीसरी किस्त की घोषणा है। विदेश सचिव ने यह भी कहा कि भारतीय स्टेट बैंक और ओमान निवेश प्राधिकरण के बीच 50-50 प्रतिशत के संयुक्त उद्यम में ओमान-भारत संयुक्त निवेश कोष का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में निवेश को निर्देशित करके आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, यह कोष 30 करोड़ डॉलर यानी करीब 2500 करोड़ रुपये का होगा। फंड को भारतीय स्टेट बैंक और ओमान निवेश प्राधिकरण के बीच 50-50 संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित किया गया है, जिसने अनिवार्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में निवेश किया। भारत में ओमान की ओर से प्रत्यक्ष पूंजी निवेश का मजबूत आधार किया गया तैयार फंड की पिछली दो किस्तों, जिनका मूल्य क्रमश: 100 मिलियन और 200 मिलियन डॉलर था, ने एक मजबूत आर्थिक गठबंधन के लिए आधार तैयार किया।

राहुल के बयान पर लोग हंसते हैं: हरदीप पुरी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। संसद की सुरक्षा में चूक के मामले ने सियासी माहौल गरम कर दिया है। विपक्षी दल सरकार से इस मामले में पर बयान की मांग कर रहे हैं। वहीं, सत्तारूढ़ पार्टी के नेता विपक्ष पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। पुरी ने कहा, राहुल गांधी एक ऐसे युवा नेता हैं जो कई बातें बोलते हैं। उनकी पार्टी की विचारधारा से जुड़े लोग संसद में (विजिटर गैलरी से नीचे) कूद पड़े और वह कहते हैं कि इसका कारण बेरोजगारी है... वह बयान देते हैं और लोग हंसते हैं। दरअसल, संसद की सुरक्षा में सेंध के बारे में मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा था, यह क्यों हुआ है?

देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से देश के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं हैं। इस घटना की मुख्य वजह बेरोजगारी और महंगाई है। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। हम बार-बार सदन में मांग कर रहे हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री यहां आएं और बयान दें, लेकिन वह आना नहीं चाहते हैं। वह सदन को चलाने के लिए तैयार नहीं हैं। यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। लेकिन उन लोगों से भी बात करके कोई फायदा नहीं, जिन्हें लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। वह कांग्रेस का नाम लेकर और नेहरू-गांधी को बदनाम करके वोट लेते हैं।

मप्र कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, कमलनाथ की जगह जीतू पटवारी बने प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल, 16 दिसंबर। पूर्व मंत्री और राहुल गांधी के नजदीकी माने जाने वाले जीतू पटवारी को मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया है। वे कमलनाथ की जगह लेंगे। वहीं सदन में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अब आदिवासी नेता और विधायक उमंग सिंघार संभालेंगे। जीतू पटवारी को आलाकमान और दिग्विजय सिंह के करीब होने का फायदा मिला। बता दें कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के बाद से ही प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव की बात कही जा रही थी। अब कांग्रेस में बड़ा फेरबदल हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे कमलनाथ की जगह अब कमान जीतू पटवारी को सौंपी गई है। बता दें, जीतू पटवारी विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। उन्हें राऊ विधानसभा से भाजपा के मधु वर्मा ने हराया था। उमंग सिंघार को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। उनका नाम काफी समय से चर्चा में था। उन्हें जिम्मेदारी देकर कांग्रेस ने आदिवासियों को भी साधा है। वहीं हेमंत कटारे को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। बता दें कि इन नियुक्तियों से पता चलता है कि कांग्रेस का अब भी मालवा निमाड़ पर फोकस है।

लोकसभा की सुरक्षा में सेंध मामले की जांच उच्चस्तरीय समिति करेगी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। लोकसभा की सुरक्षा में सेंध लगने का मामला लगातार सुर्खियों में हैं। संसद के दोनों सदनों में हंगामा होने के कारण कार्यवाही भी बाधित हुई। विपक्षी दल गृह मंत्री अमित शाह और पीएम मोदी से संसद में जवाब देने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को पत्र लिखा है। उन्होंने उच्चस्तरीय समिति के गठन की बात कही है। हंगामे के कारण बाधित हुई दोनों सदनों की कार्यवाही को लेकर लोकसभा स्पीकर ने चिंता जताई। उन्होंने सांसदों से कहा कि सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करना अपेक्षित है। ओम बिरला ने कहा कि संसदीय परिसर की सुरक्षा के लिए उन्होंने खुद एक उच्चाधिकार समिति का गठन किया है। बिरला ने कहा कि यह समिति पूरे संसद कॉम्प्लेक्स की सुरक्षा से जुड़े अलग-अलग पहलुओं की समीक्षा करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समिति ऐसे ठोस उपाय और योजना तैयार करेगी जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें। ओम बिरला ने कहा कि बीते 13 दिसंबर को संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी थी। इसी दिन दोपहर करीब एक बजे दो लोग दर्शक दीर्घा से अचानक संसद में कूद पड़े। इस मामले में कर्नाटक से निर्वाचित भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का नाम भी चर्चा में है। विजिटर पास पर प्रताप सिम्हा का नाम लिखा होने के कारण विपक्षी सांसद उनके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। संसद की कार्यवाही के दौरान सुरक्षा में गंभीर चूक के इस मामले में 13 दिसंबर को भी जोरदार हंगामा हुआ था। अगले दिन विपक्षी दलों ने पीएम मोदी या गृह मंत्री शाह से बयान की मांग को लेकर भी हंगामा किया। अशोभनीय आचरण के

आगामी लोकसभा के लिए कांग्रेस की मजबूत तैयारी: खरगे

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने आगामी लोकसभा के लिए शनिवार को गुजरात में पार्टी की तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह संगठन को मजबूत बनाने के लिए सकारात्मक एजेंडे के साथ आगे बढ़ेंगे। खरगे ने दिल्ली में एआईसीसी के मुख्यालय में गुजरात कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में गुजरात में पार्टी को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। इसके साथ ही लोगों के सामने भाजपा के कुशासन को उजागर करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। यह हर राज्य में पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा था। इसके साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयारियों पर भी ध्यान दिया गया।

इस बैठक के बाद खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में कहा, गुजरात में निरंतर भाजपा सरकार के कुशासन की वजह से मुद्दे वही हैं - बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता, दलितों-अदिवासियों के खिलाफ अत्याचार, फर्जीवाड़ा और अपार भ्रष्टाचार। उन्होंने आगे कहा, 2024 लोक सभा चुनाव के परिपेक्ष्य में आज गुजरात कांग्रेस की तैयारियों पर हमने मिलकर विचार-विमर्श किया। कांग्रेस पार्टी, एक सकारात्मक एजेंडे के साथ, नये सिरे से आने वाली चुनौतियों के लिए संगठन को मजबूत करेगी। इस बैठक में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक और गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल थे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए शक्तिराज गोहिल ने कहा, मैं इस बैठक का आयोजन करने के लिए कांग्रेस हाई कमांड का धन्यवाद करना चाहता हूं। भाजपा के शासन में गुजरात में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, इसके लिए हम सकारात्मक एजेंडा के साथ आगे बढ़ेंगे। राज्य को लूटा जा रहा है, जिससे वहां की जनता बहुत दुखी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता वासनिक ने कहा कि हम उम्मीद कर रहें कि कांग्रेस को मजबूत करने के कार्यक्रम के साथ हम गुजरात में जीत हासिल करेंगे। हमने लोकसभा चुनाव के लिए ढाई घंटे की लंबी बैठक की। इस दौरान हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे करना है, इस पर चर्चा की गई। बता दें कि गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य है। भाजपा यहां पिछले सात वर्षों से लगातार जीत हासिल कर रही है।

छठे आरोपी महेश कुमार को कोर्ट में किया गया पेश, सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अब इस मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में न्यायाधीश के सामने पेश किया गया है। कोर्ट ने आरोपी महेश को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने महेश कुमावत नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में ये छठे आरोपी की गिरफ्तारी की है। आरोपी महेश कुमावत है। जो मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। स्पेशल सेल के सूत्र बताते हैं कि जब ललित झा ने दिल्ली पुलिस के सामने कर्तव्य पथ थाना में सरेंडर किया था उस वक्त महेश कुमावत भी साथ में था। वहीं दूसरी तरफ अदालत ने संसद में सुरक्षा उल्लंघन के पीछे के मास्टरमाइंड होने के आरोपी ललित झा को शुक्रवार को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर ने इसी मामले में गिरफ्तार चार अन्य लोगों को गुरुवार को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि विजिटर्स गैलरी से लोकसभा चैंबर में कूदने की योजना तय करने से पहले उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर भी विचार किया था। पुलिस ने बताया कि पहले आरोपियों ने अपने शरीर पर फायररूफ जैल लगाकर संसद भवन में खुद को आग लगाने की योजना पर भी विचार किया था। किन बाद में ये विचार छोड़ दिया। इसके अलावा आरोपियों ने संसद भवन में पर्चे फेंकने की भी योजना बनाई थी लेकिन आखिरकार उन्होंने लोकसभा में स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ना तय किया और बीते बुधवार को वैसा ही किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरुवार की रात दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें दो डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस और अतिरिक्त कमिश्नर ऑफ पुलिस शामिल थे, उन्होंने ललित झा से पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान ललित ने संसद में घुसपैठ के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। ललित ने बताया कि योजना के तहत महेश और कैलाश को गुरुग्राम में विक्की उर्फ विशाल शर्मा के आवास पर पहुंचना था लेकिन दोनों समय से वहां नहीं पहुंच पाए।

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर। सरकार ने लोकसभा में कहा कि कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, भारतीय मिशन, वाणिज्य दूतावास लगातार भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं, जिसमें उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के उपाय किए जा रहे हैं। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंध गंभीर तनाव में हैं। भारत ने आरोपों को दृढ़ता से खारिज किया है। ओटावा की 2021 की जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए मुरलीधरन ने बताया कि कम से कम 8.3 लाख कनाडाई नागरिक हिंदू धर्म और 7.7 लाख लोग सिख धर्म से जुड़े हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि अफगानिस्तान के प्रति भारत का दृष्टिकोण ऐतिहासिक संबंधों, वहां के लोगों के साथ मित्रता और प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों से निर्देशित है। जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली में अफगानिस्तान के राजनयिक मौजूद हैं और मुंबई और हैदराबाद में वाणिज्य दूतावास काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में, कुछ अफगान राजनयिकों ने तीसरे देशों में बसने के लिए भारत छोड़ दिया है। संसद में विपक्षी दलों के हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सुरक्षा में चूक की उच्चस्तरीय जांच चल रही है। विपक्ष के आवाज दबाने के आरोपों पर उन्होंने कहा, कोई किसी की आवाज दबाने की कोशिश नहीं कर रहा है। विपक्ष आए और बहस करे। जोशी ने कहा, सोमवार को आईपीसी, सीआरपीसी व साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले तीन अहम बिल सूचीबद्ध हैं। हम विस्तृत चर्चा चाहते हैं। गृह मंत्री के बयान की मांग पर उन्होंने कहा, संसद की सुरक्षा स्पीकर के दायरे में है। हम उनके आदेश का पालन कर रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी ने कहा कि पिछले पांच सालों में 1,761 लोको पायलट ब्रेथलाइजर परीक्षण में विफल रहे हैं। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के सवाल का जवाब देते हुए वैष्णव ने शुक्रवार को कहा, सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए, लोको पायलटों को

संबंधित लॉबी में ब्रेथलाइजर परीक्षण से गुजरना आवश्यक है। पांच वर्षों में 8,28,03,387 परीक्षणों में से 674 यात्री लोको पायलट और 1087 माल लोको पायलट विफल रहे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि हाईकोर्ट कॉलेजियम ने अभी तक 201 न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सिफारिशें नहीं भेजी हैं। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर तक 123 में से 81 प्रस्ताव पर विभिन्न चरणों की प्रक्रिया जारी है। बाकी 42 प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के पास विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि 1 दिसंबर तक 25 हाईकोर्ट के लिए 1,114 जजों के स्वीकृत पदों में से 324 पद खाली थे। देश की विभिन्न अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें 80,000 मामले सुप्रीम कोर्ट में हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में कहा कि 1 दिसंबर तक, 5,08,85,856 लंबित मामलों में से 61 लाख से अधिक 25 हाईकोर्ट के स्तर पर थे। उन्होंने कहा, जिला व अधीनस्थ अदालतों में 4.46 करोड़ से अधिक मामले आए। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने लोकसभा को बताया कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक उत्पीड़न की रिपोर्टों से भारत अवगत है।

वजीरिस्तान में मोर्टार शेल विस्फोट में सात महिलाएं गंभीर रूप से घायल, जांच में जुटी पुलिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में मोर्टार शेल विस्फोट में सात महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह घटना दक्षिणी वजीरिस्तान के हबीब कोट अडाना की है। यह घटना तब घटी

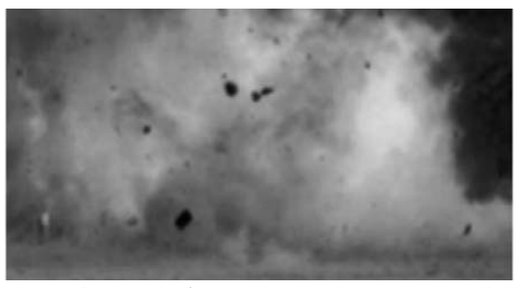

महिलाएं भीषण ठंड के मौसम में घरेलू काम के लिए पास के पहाड़ी में लकड़ी इकट्ठा कर रही थी। एक अज्ञात जगह से मोर्टार शेल विस्फोट हुआ, जिसमें सात महिलाएं घायल हो गई। घायलों को अस्पताल में शिफ्त किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

ट्रंप के पूर्व वकील रूडी जुलियानी पर 14.80 करोड़ डॉलर का जुर्माना, चुनाव में धोखाधड़ी को लेकर लगाए थे आरोप

न्यूयॉर्क। एक ज्यूरी ने न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी जुलियानी को जॉर्जिया के दो चुनाव कार्यकर्ताओं को 14 करोड़ डॉलर भुगतान करने का आदेश दिया है। दरअसल साल 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान रूडी जुलियानी ने इन चुनाव कार्यकर्ताओं पर धांधली का झूठा आरोप लगाया था। रूडी जुलियानी पर आरोप लगाने वाली रोज फ्रीमैन और शाये मोस ने आरोप लगाया कि आरोप लगने के बाद उन्हें काफी भेदभाव और नस्लीय हिंसा का सामना करना पड़ा। बता दें कि आरोप लगाने वाली दोनों महिलाएं मां-बेटी हैं।

दोनों पीड़िताओं को मिलेंगे करोड़ो डॉलर

दोनों ने रूडी जुलियानी पर मानहानि का मुकदमा कर दिया था। ज्यूरी ने रूडी जुलियानी को मानहानि का दोषी माना और मानहानि की राशि पर कई महीने विचार के बाद अब अपने आदेश में 14 करोड़ 80 लाख डॉलर का दोनों पीड़ितों को भुगतान करने का आदेश दिया है। पीड़िताओं के वकील ने ज्यूरी के समक्ष कहा कि 'जिसने भी मोस और फ्रीमैन के खिलाफ झूठ फैलाया, उन्हें जवाबदेय ठहराया जाना चाहिए।' अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, मानहानि के तहत मिली रकम में से मोस को करीब 1.7 करोड़ डॉलर मानहानि के लिए मिलेंगे और 2 करोड़ डॉलर उन्हें हुए मानसिक तनाव के लिए मिलेंगे। वहीं फ्रीमैन को 1.6 करोड़ डॉलर मानहानि के लिए और दो करोड़ डॉलर उन्हें हुए मानसिक तनाव के लिए मिलेंगे। वहीं दोनों मां बेटी को साढ़े सात करोड़ डॉलर क्षतिपूर्ति के तहत मिलेंगे।

कहीं लिफ्ट में फंसे लोग तो कहीं सड़कों से रोशनी गायब, जब अंधेरे में डूब कर ठहरी अमेरिका की आर्थिक राजधानी

न्यूयॉर्क। अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर रात अंधेरे में डूब गया। दरअसल न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन स्थित कोन एडिसन पावर प्लांट में एक गड़बड़ी के चलते शहर की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अचानक हुई इस गड़बड़ी से काफी संख्या में लोग जगह-जगह लिफ्ट में फंस गए और शहर में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। करीब 20 मिनट तक अमेरिका की वित्तीय राजधानी न्यूयॉर्क में लोग लिफ्ट्स में फंसे रहे और कई जगह लोगों को रेस्क्यू किया गया।

खबर के अनुसार, पावर प्लांट से काला धुआं भी उठता हुआ देखा गया। इसके चलते शहर की सड़कों और गलियों की भी लाइटें बंद हो गईं। लोगों का कहना है कि पावर प्लांट में धमाका हुआ था। कोन एडिसन पावर कंपनी की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि शॉर्ट सर्किट के चलते पावर प्लांट में धमाका हुआ। ग्राहकों को इससे परेशानी हुई है। हमारा स्टाफ इसकी जांच कर रहा है और जरूरी मरम्मत भी की जा रही है। जांच में पता चला है कि एक हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन में खराबी आई, जिसकी वजह से धमाका हुआ। घटना गुरुवार देर रात करीब 11.55 बजे की है। न्यूयॉर्क के डाउनटाउन ब्रूकलिन, बेड स्टू, लोअर मैनहट्टन, अपर ईस्ट साइड और लॉन्ग आइलैंड सिटी आदि इलाके अंधेरे में डूबे रहे। न्यूयॉर्क के ग्रांड सेंट्रल स्टेशन में कई लोग लिफ्ट में फंस गए।

मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया की यूरोप में होगी कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया को कतर के प्रधानमंत्री के साथ बंधक समझौते पर बातचीत के लिए यूरोप भेजने का फैसला किया है। यह जानकारी इजराइल के अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर साझा की।

द टाइम्स ऑफ इजराइल ने एक्सियोस की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि नेतन्याहू ने बंधक सौदे की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करने के लिए मोसाद प्रमुख को यूरोप भेजने का फैसला किया है। बार्निया की इस सप्ताह के अंत में यूरोप में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से मिलने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले इजराइल और हमास के बीच एक

और युद्धविराम कराने की कोशिशों को झटका लग चुका है। दरअसल इजराइल की तरफ से युद्ध विराम पर चर्चा के लिए मोसाद चीफ कतर जाने वाले थे लेकिन उनकी यह यात्रा रद्द कर दी गई। मोसाद प्रमुख की यात्रा रद्द होने पर इजराइली बंधकों के परिजनों ने नाराजगी जताई और सरकार से जवाब मांगा है।

राष्ट्रपति पुतिन के आलोचक अलेक्सी नवलनी को दूसरी जेल ले जाया गया

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के धुर आलोचक अलेक्सी नवलनी को देश के दूसरे भाग स्थित जेल में ले जाया गया है। वहां पहुंचने के बाद कानून के अनुसार उसके बारे में जानकारी दी जाएगी।

नवलनी की प्रवक्ता किरा यर्मिश ने कहा कि उन्हें कहां ले जाया गया है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। वकीलों को बताया गया है कि 11 दिसंबर को वह व्लादिमीर क्षेत्र से बाहर भेज गए हैं। उनके वकीलों ने छह दिसंबर से उन्हें नहीं देखा है। बड़ा देश होने के कारण कैदियों को रेल से ले जाने में कई हफ्ते लग सकते हैं। इस दौरान कैदी के गंतव्य तक पहुंचने, उसके स्वास्थ्य आदि की जानकारी प्राप्त करने में वकील और परिवार के सदस्य असमर्थ होते हैं। पूर्व वकील नवलनी राष्ट्रपति

व्लादिमीर पुतिन की आलोचना और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के बाद सुर्खियों में आए थे। नवलनी को सर्बिया में अगस्त 2020 में जहर देने का आरोप लगा, लेकिन क्रेमलिन ने उनकी हत्या के प्रयास का आरोप खारिज कर दिया था। बाद में नवलनी को चिकित्सा कराने जर्मनी ले जाया गया, जहां जांच में पता चला कि उन्हें नर्व एजेंट (जहर) दिया गया था। 2021 में नवलनी जर्मनी से रूस लौटे।

आईडीएफ की गाजा की लड़ाई में बड़ी भूल, अपने ही नागरिकों पर चला दी गोली, तीन इजरायली बंधकों की मौत

तेल अवीव। इजराइली सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी में छिड़े युद्ध के दौरान अपने ही देश के तीन लोगों को मार डाला। इनको हमास ने बंधक बना लिया था। इनकी मौत शुजाया में लड़ाई के दौरान हुई। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मारे गए बंधकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घटना की पारदर्शी जांच कराने की घोषणा की है। इजराइल के प्रमुख अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, आईडीएफ ने मारे गए तीनों बंधकों की पहचान का खुलासा करते हुए एक्स हैंडल पर उनके फोटो जारी किए हैं। आईडीएफ से यह भूल युद्ध के 70वें दिन शुक्रवार को हुई। इजराइली सेना के मुख्य प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि तीनों बंधक हमास के चंगुल से भाग निकले थे

या उन्हें छोड़ दिया गया था। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं की जांच कराई जाएगी। गलत पहचान के चलते की गई गोलीबारी में इन तीनों की मौत हुई है। आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर कहा है कि इस घटना से सबक लेकर युद्ध क्षेत्र के सभी सैनिकों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। आईडीएफ ने तीन बंधकों को मार देने की बात स्वीकार करते हुए उनकी पहचान 28 वर्षीय योतम हैम, 25 वर्षीय समर तलाल्का और 26 वर्षीय अलोन लुलु शमरिज के तौर पर की है। हमास ने सात अक्टूबर को इन तीनों युवकों का अपहरण किया था। उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर भीषण हमला किया था। हमले के दौरान हमास के आतंकवादियों ने 250 लोगों को बंदी बना लिया था और करीब 1,200 लोगों को मार डाला था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में बमबारी शुरू कर दी। इजराइल के हमलों में अब तक 18,700 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार आईडीएफ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा है कि शुक्रवार सुबह हुई दुखद घटना की आईडीएफ पूरी जिम्मेदारी लेता है।

लुफ्थांसा एयरलाइंस 8 जनवरी से इजराइल के लिए फिर शुरू करेगी उड़ान

फ्रैंकफर्ट। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने बड़ा एलान करते हुए 8 जनवरी 2024 से इजराइल के लिए फिर से उड़ानों को शुरू करने की घोषणा की है। लुफ्थांसा ने कहा है कि इजराइल पर हमास के हमलों के बाद से हवाई सेवा निलंबित कर दी गई थी। लुफ्थांसा ने अपने बयान में कहा कि समूह शुरुआत में तेल अवीव से आने-जाने के लिए कुल 20 साप्ताहिक फ्लाइट्स की पेशकश करेगा। यह परिचालन लुफ्थांसा के नियमित उड़ानों का लगभग 30 प्रतिशत है। वहीं, एयरलाइन ने कहा है कि 13 अक्टूबर से बेरूत के लिए निलंबित चल रही उड़ानें शुक्रवार को फिर से शुरू कर दी गई। लुफ्थांसा एयरलाइंस फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख से फ्लाइट कनेक्शन की पेशकश करेगी, जबकि ऑस्ट्रियन एयरलाइंस और स्विस एयरलाइंस भी तेल अवीव के लिए उड़ान सेवा फिर से शुरू करेंगे। बता दें कि लुफ्थांसा ने 9 अक्टूबर को इजराइल के लिए उड़ानों पर रोक लगा दी थी। वहीं, हमले के बाद ब्रिटिश एयरवेज, एयर फ्रांस-केएलएम और अमेरिकी एयरलाइन डेल्टा सहित अन्य एयरलाइनों ने भी तेल अवीव के लिए उड़ानों में कटौती कर दी थी। बता दें कि इजरायल के हमले में गाजा में अबतक 18,700 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि गाजा के 24 लाख लोगों में से 19 लाख लोग युद्ध के कारण विस्थापित हो चुके हैं।

बाइडन प्रशासन ने निखिल गुप्ता पर मुकदमा चलाने की जानकारी पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों को दी

वाशिंगटन। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर मुकदमा चलाए जाने की जानकारी पांच भारतीय अमेरिकी अमेरिकी सांसदों को अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के प्रशासनिक अधिकारियों ने दी। गुप्ता पर अमेरिकी में एक सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस सदस्य अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और श्री थानेदार ने गुप्ता पर मुकदमा चलाए जाने को लेकर बाइडन प्रशासन से जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया। गुप्ता पर 29 नवंबर को अमेरिका में अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में कथित भागीदारी का आरोप लगाया गया है। भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने बयान में कहा, कांग्रेस सदस्य होने के नाते हमारे नागरिकों की सुरक्षा

और उनका कल्याण हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। मुकदमे में लगाए गए आरोप बेहद चिंताजनक हैं। बयान के मुताबिक, हम (सांसद) हत्या की साजिश की जांच के लिए जांच समिति गठित करने की भारत सरकार की घोषणा का स्वागत करते हैं और यह बेहद ही जरूरी है कि भारत मामले की पूर्ण जांच करे, अधिकारियों सहित जिम्मेदार लोगों को कसूरवार ठहराए तथा आश्वासन दे कि ऐसा दोबारा नहीं होगा। बयान में कहा गया, हमारा मानना है कि अमेरिका और भारत के बीच साझेदारी ने दोनों देशों के लोगों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डाला है लेकिन हमें चिंता है कि मुकदमे में उल्लेखित समस्याओं को अगर उचित रूप से हल नहीं किया गया तो इससे साझेदारी को नुकसान पहुंच सकता है।

क्या फिर लौट रही कोरोना महामारी? सिंगापुर में 56 हजार मामले सामने आए, लोगों से मास्क पहनने की अपील

सिंगापुर। कोरोना महामारी एक बार फिर डरा रही है। दरअसल सिंगापुर में कोरोना के मामले बढ़कर 56 हजार के पार चले गए हैं। बता दें कि यह आंकड़े बीते हफ्ते के हैं। उससे पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 32 हजार था। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते हफ्ते में देश में कोरोना के मामलों में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 19 दिसंबर से रोजाना कोरोना अपडेट जारी करने का फैसला किया है।

लोगों को मास्क पहनने की सलाह

सिंगापुर की सरकार ने लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने की सलाह दी है। अगर लोग बीमार नहीं हैं तब भी उन्हें मास्क पहनने को कहा जा रहा है। खासकर बुजुर्ग लोगों के साथ रहने वाले लोगों को घर के अंदर भी मास्क पहनने को कहा गया है। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि जल्द ही

सिंगापुर एक्सपो हॉल नंबर 10 में कोविड मरीजों के लिए बिस्तर लगा दिए जाएंगे। क्राफोर्ड अस्पताल में पहले से ही कोविड मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

कोरोना के इस वैरिएंट से संक्रमित हो रहे मरीज

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंगापुर में कोरोना संक्रमण के चलते अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या रोजाना औसतन 225-350 है। वहीं संक्रमण के चलते आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों का रोजाना का औसत 4-9 है। बताया जा रहा है कि अधिकतर संक्रमित मरीज कोरोना के वैरिएंट जेएन.1 से संक्रमित हैं, जो कि बीए.2.86 से संबंधित है। अभी तक की जांच में यह पता चला है कि यह वैरिएंट बहुत ज्यादा ट्रांसमिसिबल (एक मरीज से दूसरे में स्थानांतरित) नहीं है। भारत में भी कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि अभी चिंता जैसी कोई बात नहीं है। देश में कोरोना के 312 नए मामले सामने आए, इनमें से 280 सिर्फ केरल के हैं। साथ ही जो मरीज संक्रमित मिले हैं, उनमें लक्षण भी बहुत ज्यादा गंभीर नहीं हैं। सरकारी आंकड़े के अनुसार, बीते 24 घंटे में देशभर में 17605 कोरोना टेस्ट किए गए थे।

हूती समूह ने लाइबेरिया के जहाजों पर दागी मिसाइलें, इस्राइल की तरफ जाने वाले जहाजों पर निशाना

वाशिंगटन। इस्राइल-हमास के युद्ध के बीच यमन के हूती समूह ने लाल सागर कॉरिडोर में लाइबेरिया के जहाजों पर मिसाइल दागी। यूएस सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी। बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के पास लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों ने एक कार्गो जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। इस हमले के कुछ घंटे पहले भी एक जहाज पर हमला किया गया था।

लाइबेरिया के जहाजों पर हमला

हूती समूह ने इससे पहले 15 दिसंबर को एक चेतावनी जारी की थी। उन्होंने मोटर वेसेल एमएससी एएलएएनवाईए लाइबेरिया के जहाज से संपर्क किया था और उसपर हमला करने की धमकी दी थी। यह जहाज लाल सागर के दक्षिणी भाग के उत्तर की और जा रही थी। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने मानव रहित हवाई वाहन लॉन्च किया और इससे लाइबेरिया के झंडे वाले जहाज अल जेएएसआरएएच को टक्कर मार दी, जिसके कारण जहाज में आग लग गई।

यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए बताया, सना समय के अनुसार 15 दिसंबर को करीब 0900 बजे हूती द्वारा यूएवी लॉन्च किया गया, मोटर जहाज अल **इस्राइल की तरफ जा रहे**

जेएएसआरएएच को टक्कर मार दी, जिससे आग लग गई। चालक दल इस आग से लड़ रहे थे।

पोस्ट में आगे लिखा, आग बुझा दी गई और चालक दल की तरफ से सब ठीक होने की पुष्टि की गई थी। फिर लगभग 15 दिसंबर को ही सना समय के अनुसार यमन के हूती समूह ने लाल सागर में लाइबेरिया के जहाजों पर हमला किया, 1300 बजे हूती समूह ने बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य में दो और बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च की। इनमें से एक मिसाइल ने लाइबेरिया के एमवी पीएएलएटीआईयूएम 3 पर हमला किया, जिसके बाद इसमें आग लग गई।

जहाजों पर निशाना

इस घटना के बाद यूएसएस एमएएसओएन ने स्थिति पर प्रतिक्रिया दी। इस हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। इसी महीने हूती समूह ने बयान जारी किया था कि वह लाल सागर में इस्राइल की तरफ जाने वाले सभी जहाजों पर हमला करेंगे। नौ नवंबर से हूती ने इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए। हालांकि इन सभी को इस्राइली या अमेरिकी वायु सुरक्षा प्रणालियों के माध्यम से रोक लिया गया है।

क्या फिर आएगी कोरोना की लहर? : चीन में मिले सबवैरिएंट JN.1. के सात मामले

बीजिंग। चीन ने कोविड-19 के नए वैरिएंट JN.1 से संक्रमित सात लोगों का पता लगाया है। देश के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन का कहना है कि फिलहाल देश में इसका खतरा काफी कम है। हालांकि, साथ ही अधिकारियों ने इस बात से भी इनकार नहीं किया है कि आगे यह खतरनाक नहीं हो सकता है।

यूके, आइसलैंड, फ्रांस और अमेरिका में फैलने से पहले छह.1 वैरिएंट की पहचान सबसे पहले लक्जमबर्ग में की गई थी। आइए जानते हैं कि क्या है कोविड-19 का नया वैरिएंट, इससे खतरा आदि। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, नया कोविड वैरिएंट BA.2.86 का ही वंशज है। इसे 'पिरोला' भी कहा जाता है, जो कि ओमीक्रॉन से आया है। सीडीसी ने लिखा कि अभी संयुक्त राज्य अमेरिका में न तो JN.1 और न ही BA.2.86 आम बात है। वैज्ञानिकों के अनुसार, JN.1 और BA.2.86 के बीच केवल एक ही बदलाव है। वह है स्पाइक प्रोटीन में बदलाव। स्पाइक प्रोटीन जिसे स्पाइक भी कहा जाता है। यह वायरस की सतह पर छोटे स्पाइक्स जैसा दिखाई देता है। इसी वजह से लोगों में वायरस का संक्रमण ज्यादा तेजी से होता है। JN.1 पहली बार इस साल सितंबर में संयुक्त राज्य अमेरिका में पाया गया था। अमेरिका की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी का आठ दिसंबर तक अनुमान था कि वैरिएंट जेएन.1 संयुक्त राज्य अमेरिका में कुल मामलों का 15-29 फीसदी पाया गया

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'आतंकियों को फलने-फूलने में कुछ देश कर रहे मदद', भारतीय प्रतिनिधि ने बिना नाम लिए साधा पाक-चीन पर निशाना

वाशिंगटन। सीमा पार आतंकवाद और हिंसा के कारण हमें बहुत नुकसान हुआ है। यह बात संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कही। उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान और चीन पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने कुछ ऐसे देशों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया, जो आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखे हैं।

हथियार दिए जा रहे

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि सीमा पार आतंकवाद की वजह से हमें बहुत नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं सीमाओं के पार तस्करी किए गए अवैध हथियारों का उपयोग करके आतंकवादी समूहों द्वारा देश में आतंक फैलाया जा रहा है। इसमें अब ड्रोन भी शामिल हैं।

आतंकवादियों की मदद कर रहा कोई

उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों के पास से मिले हथियार से साफ है कि उनकी कोई मदद कर रहा है। वह बिना किसी देश की मदद के बिना इतने बड़े स्तर पर हथियार नहीं जुटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह देना जारी रखे है। इन लोगों न केवल गंभीर अपराध किए हैं, बल्कि जालसाजी और विरोधी-राज्य की मुद्रा के प्रसार, सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए हथियारों, ड्रग्स और अन्य साधनों की आपूर्ति जैसे माध्यमों से अपने विरोधी-राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाना जारी रखा है।

बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान

कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र से आतंकवादी समूहों और उनको सहायता देने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा हिंसा जारी रखने में सबसे ज्यादा मदद हथियार उपलब्ध कराकर की जा रही है। सबसे पहले राष्ट्रों को ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने की जरूरत है, जो इन लोगों यह सुविधा पहुंचा रहे हैं। देशों को हथियारों के अधिग्रहण को सीमित करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि यह परिषद आतंकवादी तत्वों और उनको सहायता देने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करे। छोटे हथियारों पर यूएनएससी की खुली बहस में बोलते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत सीमा पार आतंकवाद और अवैध हथियारों का उपयोग करने वाले आतंकवादी समूहों द्वारा की जाने वाली हिंसा से परेशान है।

स्कूल आते-जाते होती थी छात्रा से छेड़खानी, अब हुई लापता; पड़ोसी पर अगवा करने का आरोप

गाजियाबाद। कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में 16 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। स्वजन ने पड़ोसी युवक पर किशोरी के अपहरण का आरोप लगाया है। आरोपित के खिलाफ पहले ही किशोरी के साथ छेड़खानी करने का मामला मोदीनगर कोतवाली में दर्ज है। अब अपहरण का केस दर्ज किया गया है। एक कॉलोनी के रहने वाले व्यक्ति कामगार हैं। उनकी दो बेटी है, छोटी 16 वर्षीय बेटी एक स्कूल की छात्रा है।

पड़ोस में रहने वाला आरोपित काफी समय से किशोरी को तंग कर रहा है। स्कूल से आते-जाते समय भी छेड़खानी करता था। उनपर दोस्ती का दबाव बनाया जाता था। एक महीने पहले ही आरोपित पर केस दर्ज किया गया। इस बीच अब किशोरी लापता हो गई। स्वजन ने आसपास में पता किया, लेकिन सुराग नहीं लगा। स्वजन ने आरोपित पर ही किशोरी के अपहरण का शक जाहिर किया है। थाने में आरोपित के खिलाफ शिकायत दी है। मामले में एसीपी मोदीनगर का कहना है कि केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। जल्द किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

राजधानी में मुक्त कराए गए 16 बाल मजदूर

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में मारे गए छापों में ढाबों व आटो के कल पुर्जे बेचने वाली दुकानों से 16 बच्चों को मुक्त कराया गया। स्थानीय अनुमंडलाधिकारी (एसडीएम) आशीष कुमार की अगुआई में छापों की यह कार्रवाई एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन जिसे 'बचपन बचाओ आंदोलन' के नाम से भी जाना जाता है और बाल विकास धारा के सहयोग से हुई। कार्रवाई में श्रम विभाग के अधिकारी तथा राजौरी गार्डन और हरि नगर थानों के प्रभारी भी शामिल थे।इस कार्रवाई में मुक्त कराया गए एक बाल मजदूर की उम्र महज 10 साल है। राजौरी गार्डन इलाके की एक दुकान से जब उसे मुक्त कराया गया तो वह डर से कांप रहा था और उसके मुंह से आवाज नहीं निकल रही थी। छापे में शामिल अफसरों और बीबीए की टीम के सदस्यों ने जब बच्चे को अच्छे खाने का लालच दिया तब कहीं जाकर उसका डर कुछ कम हुआ। खाने के बाद उसने बातचीत शुरू की और बताया कि वह आटो के कल पुर्जे बेचने वाली एक दुकान में पिछले साल भर से काम कर रहा था। बच्चे ने अपने पिता का नाम तो बताया पर उनका फोन नंबर या अपने गांव का नाम नहीं बता पाया।मुक्त कराए गए इन सभी बच्चों की उम्र 10 से 17 साल के बीच है और ये उत्तर प्रदेश व बिहार के हैं। छुड़ाए गए सभी बच्चे साफ तौर से कुपोषित, नींद की कमी के शिकार और थके से लग रहे थे। इन्हें रोजाना 12-12 घंटे से भी ज्यादा खटाया जाता था।छापों के बाद एसडीएम ने राजौरी गार्डन और हरि नगर के थाना प्रभारियों को नियोक्ताओं के खिलाफ बाल श्रम (रोकथाम एवं नियमन अधिनियम, 1986), किशोर न्याय (संरक्षण एवं सुरक्षा) कानून, 2015 के तहत मामला दर्ज करने का आदेश दिया। सभी बच्चों की चिकित्सा जांच कराने के बाद उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया।

महाराष्ट्र विस अध्यक्ष 10 जनवरी तक करें विधायकों की अयोग्यता पर फैसला: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से कहा कि वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर 10 जनवरी 2024 तक फैसला करें।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने शिवसेना के ठाकरे गुट और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई की और अध्यक्ष के अनुरोध पर फैसले के लिए उन्हें अतिरिक्त 10 दिनों का समय दिया। पीठ ने कहा,'पहले निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए हम अध्यक्ष को फैसला सुनाने के लिए 10 जनवरी 2023 तक का समय विस्तार देते हैं।'

शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अध्यक्ष ने उचित समय विस्तार की मांग की है, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया है कि दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के तहत कार्यवाही 20 दिसंबर को बंद कर दी जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आज पीठ के समक्ष कहा कि अध्यक्ष ने कहा है कि 20 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रखा जाएगा और आगे कोई समय नहीं लिया जाएगा। श्री मेहता ने कहा कि अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र के दौरान भी सुनवाई की। पीठ ने 30 अक्टूबर को अध्यक्ष को निर्देश दिया था कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे और उनका समर्थन करने वाले अन्य बागी विधायकों के खिलाफ शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर 31 दिसंबर तक फैसला करें।

संसद में खुद को आग लगाना चाहते थे आरोपी, पुलिस पूछताछ में किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली। संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने संसद में खुद को आग लगाने की भी योजना बनाई थी। साथ ही संसद में पर्चे फेंकने पर भी विचार किया था। हालांकि काफी विचार के बाद उन्होंने इन दोनों विकल्पों को छोड़ दिया और आखिरकार संसद में घुसकर स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ने पर सहमत हुए।

पुलिस पूछताछ में बताया क्या थी योजना

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि विजिटर्स गैलरी से लोकसभा चैंबर में कूदने की योजना तय करने से पहले उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर भी विचार किया था। पुलिस ने बताया कि पहले आरोपियों ने अपने शरीर पर फायरप्रूफ जैल लगाकर संसद भवन में खुद को आग लगाने की योजना पर भी विचार किया था लेकिन बाद में ये विचार छोड़ दिया। इसके अलावा आरोपियों ने

संसद भवन में पर्चे फेंकने की भी योजना बनाई थी लेकिन आखिरकार उन्होंने लोकसभा में स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ना तय किया और बीते बुधवार को वैसा ही किया।

भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के बयान दर्ज कराएगी पुलिस

मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के भी बयान दर्ज करने पर विचार कर रही है। बता दें कि प्रताप सिम्हा ने ही आरोपियों सागर शर्मा और मनोरंजन डी के विजिटर पास को अपनी स्वीकृति दी थी।

सीन रिक्रिएट कराने के लिए आरोपियों को जल्द संसद ले जा सकती है पुलिस

शुक्रवार को पुलिस आरोपियों को उन जगहों पर लेकर गई, जहां आरोपियों ने मिलकर संसद में घुसपैठ की साजिश रची थी। पुलिस संसद से भी इजाजत लेकर जल्द ही आरोपियों को संसद भवन ले जाकर सीन रिक्रिएट करा सकती है। पुलिस ने मामले में हिरासत में लिए गए महेश कुमवात को भी क्लीन चिट नहीं दी है। महेश पर आरोप है कि उसने मास्टरमाइंड ललित झा को भागने में मदद की थी। दिल्ली पुलिस जल्द ही ललित झा को राजस्थान के नागौर ले जाने की तैयारी कर रही है, जहां फरारी के दौरान ललित रुका था। साथ ही ललित को उस जगह भी ले जाया जाएगा, जहां उसने अपना और अन्य सभी आरोपियों के मोबाइल फोन तोड़े थे। बता दें कि गिरफ्तार सभी पांचों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

सीएम अरविंद केजरीवाल 19 दिसंबर से विपासना शिविर के लिए होंगे रवाना, 10 दिन का है कोर्स

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर विपासना के लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री इस बार 19 दिसंबर को विपासना के लिए रवाना होंगे। केजरीवाल हर साल विपासना का 10 दिनों का कोर्स करने जाते हैं। इस साल भी 19 से 30 दिसंबर तक

विपासना में रहेंगे। शनिवार को अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि आम आदमी पार्टी के संयोजन और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अगले सप्ताह 10 दिन के लिए विपासना मेडिटेशन कोर्स के लिए जाएंगे। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के खत्म होने के बाद केजरीवाल दिल्ली से 19 दिसंबर को रवाना होंगे। अभी तक मुख्यमंत्री ने बीते 10 सालों में देश के कई शहरों में जाकर विपासना कोर्स किया है। हर साल 10 दिन के लिए मुख्यमंत्री इस कोर्स के लिए जाते हैं। विपासना एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है।

एक और आरोपी हुआ गिरफ्तार, पटियाला हाउस कोर्ट में किया जाएगा पेश

नई दिल्ली। संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अब इस मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे जल्द ही दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में न्यायाधीश के सामने पेश किया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने महेश कुमावत नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में ये छठे आरोपी की गिरफ्तारी की है। आरोपी महेश कुमावत है। जो मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। स्पेशल सेल के सूत्र बताते हैं कि जब ललित झा ने दिल्ली पुलिस के सामने कर्तव्य पथ थाना में सरेंडर किया था।उस वक्त महेश कुमावत भी साथ में था।

वहीं दूसरी तरफ अदालत ने संसद में सुरक्षा उल्लंघन के पीछे के मास्टरमाइंड होने के आरोपी ललित झा को शुक्रवार को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर ने इसी मामले में गिरफ्तार चार अन्य लोगों को कल ही सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। संसद सुरक्षा चूक मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जल्द ही दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट के संबंधित न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

आरोपियों ने पूछताछ में किया बड़ा खुलासा

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि विजिटर्स गैलरी से लोकसभा चैंबर में कूदने की योजना तय करने से पहले उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर भी विचार किया था। पुलिस ने बताया कि पहले आरोपियों ने अपने शरीर पर फायरप्रूफ जैल लगाकर संसद भवन में खुद को आग लगाने की योजना पर भी विचार किया था।

किन बाद में ये विचार छोड़ दिया। इसके अलावा आरोपियों ने संसद भवन में पर्चे फेंकने की भी योजना बनाई थी लेकिन आखिरकार उन्होंने लोकसभा में स्मोक कैनिस्टर से रंगीन धुंआ छोड़ना तय किया और बीते बुधवार को वैसा ही किया।

आरोपियों के पास था दूसरा प्लान तैयार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरुवार की रात दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें दो डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस और अतिरिक्त कमिश्नर ऑफ पुलिस शामिल थे, उन्होंने ललित झा से पूछताछ की।

इस पूछताछ के दौरान ललित ने संसद में घुसपैठ के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। ललित ने बताया कि योजना के तहत महेश और कैलाश को गुरुग्राम में विक्की उर्फ विशाल शर्मा के आवास पर पहुंचना था लेकिन दोनों समय से वहां नहीं पहुंच पाए। ऐसे में नीलम और अमोल को ही किसी भी कीमत पर संसद भवन परिसर में पहुंचकर स्मोक कैनिस्टर छोड़ने और नारेबाजी करने की जिम्मेदारी दी गई।

नोएडा में शराब के नशे में गार्ड से मारपीट करने वाले 5 युवक गिरफ्तार

नोएडा। देर रात को ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित समृद्धि ग्रैंड रेवेन्यू समिति में किराये पर रहने वाले 5 युवकों ने शराब पीकर जमकर उत्पात मचाया। जब गार्ड ने उन्हें ऐसा करने से रोका तो युवकों ने ड्यूटी पर तैनात गार्ड और सुपरवाइजर के साथ मारपीट की। यह मामला सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरकत में आयी थाना बिसरख पुलिस ने गार्ड की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पांचों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीती रात को एक वीडियो सोशल मीडिया वायरल हुई। वायरल वीडियो में कुछ युवक हाथ में शराब की बोतल लेकर और 2 घूट पीकर वीडियो बना रहे थे। जब गार्ड ने

इसका विरोध किया तो ब्रजेश कुमार सिंह पुत्र गोरखनाथ सिंह, अमन त्रिपाठी पुत्र राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, रणधीर मिश्रा पुत्र गंगानाथ मिश्रा, अंकित पुत्र अशोक मिश्रा तथा अमित पाण्डे पुत्र तारकेश्वर पाण्डे नामक युवक ड्यूटी पर तैनात गार्ड और सुपरवाइजर के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दे दिया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतावली बिसरख पुलिस ने पांचों युवकों गिरफ्तार कर लिया है।

नोएडा में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर दर्ज होगा मुकदमा

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर यातायात पुलिस अब नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ काफी सख्त हो गई है। आज से पुलिस ने नियमों के उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ चालान काटने के साथ-साथ मुकदमा दर्ज करवाना भी शुरू कर दिया है। सुबह से ही यातायात पुलिस के आला अधिकारी से लेकर ट्रैफिक इंस्पेक्टर विभिन्न जगहों पर नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नजर आए। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि शीध्र ही गति सीमा का पालन न करने और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी शुरू करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस उपयुक्त यातायात अनिल कुमार यादव ने बताया कि सर्दियों में घने कोहरे के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सख्ती शुरू की गई है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा की शुरुआत के साथ ही यातायात पुलिस ने तेवर सख्त कर लिए हैं। बेलगाम वाहन चालकों के खिलाफ परिवहन और यातायात विभाग विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन एक्सप्रेसवे और एलिवेटेड रोड पर गति सीमा का उल्लंघन पर 468 चालान कटे गए। वहीं यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे और एलिवेटेड रोड समेत शहर की कई सड़कों पर नई गति सीमा लागू हो गई है। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि यमुना और नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे समेत सात सड़कों पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा कम कर दी गई है। यमुना और नोएडा ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहनों की अधिकतम रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे से घटाकर 75 किमी प्रति घंटे कर दी गई है। वहीं भारी वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 80 किमी प्रति घंटे से 60 किमी प्रति घंटे कर दी गई है। वहीं एलिवेटेड रोड पर छोटे वाहनों की गति सीमा 50 किमी प्रति घंटे और भारी वाहनों के 40 किमी प्रति घंटा कर दी गई है।

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर स्वाति मालीवाल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। 16 दिसंबर ऐसी तारीख है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। हम बात कर रहे हैं दिल्ली के निर्भया मामले की। आज इस घटना को 11 साल हो गए है। इसके बाद महिला सुरक्षा को लेकर कई कानून भी आए लेकिन इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पाए हैं। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दों पर कुछ इस तरह के सवाल उठाने वाली डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल रात राजधानी के बस स्टॉप का जायजा लेने पहुंची। यहां उन्होंने पाया कि बस स्टॉप पर लाइट्स नहीं हैं। चारों ओर घना अंधेरा है। इस पर स्वाति ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'शिकायत मिलने पर कल शाम ललिता पार्क बस स्टैंड और कई अन्य जगहों का दौरा किया। निरीक्षण में पाया कि कई बस स्टैंड पर और उनके पास पूरा अंधेरा था। महिलाओं के लिए बेहद असुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि रात के समय कई बस स्टॉप पर बिल्कुल अंधेरा था। बस स्टॉप के लगभग एक किलोमीटर तक लाइट नहीं थी। इसे लेकर स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सरकार के सम्बन्धित विभाग को नोटिस जारी किया है। स्वाति ने सवाल उठाया कि ऐसे ही हालात रहे तो महिलाएं कैसे सुरक्षित रहेंगी ? यह बहुत जरूरी है कि कम से कम बस स्टैंड पर तो लाइट होनी चाहिए। इतना ही नहीं, दिल्ली में जितनी भी जगहों पर अंधेरा है, उनको चिह्नित कर सुधार करना चाहिए। स्वाति का मानना है कि सभी को एक साथ आकर दिल्ली को महिलाओं के प्रति सुरक्षित बनाने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो राजधानी में महिलाओं के हिंसा के मामले लगातार बढ़ते रहेंगे।

दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय का फेसबुक अकाउंट हुआ हैक, एक्स पर पोस्ट साझा कर दी जानकारीं

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबेरॉय का फेसबुक पेज हैक हो गया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर दी है।

उन्होंने लिखा कि मैं आप सभी को सूचित करना चाहती हूं कि मैं बीते कुछ दिनों से अपना फेसबुक पेज एक्सिस नहीं कर पा रही हूं। यह हैक हो चुका है। हम जल्द ही इसे रिकवर कर लेंगे। यदि इससे कुछ भी गलत गतिविधि होती है तो कृपया सावधान रहें। रिपोर्ट के मुताबिक, मेयर का फेसबुक अकाउंट चार से पांच दिन पहले हैक हो गया था। अभी तक अकाउंट रिकवर नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि एक टीम अकाउंट को बहाल करने की कोशिश कर रही है, लेकिन अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार, अब तक अकाउंट से कोई मैसेज नहीं भेजा गया है। न ही कोई गलत गतिविधि की सूचना मिली है। अगर खाता बहाल नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज की जाएगी। मेयर का फेसबुक अकाउंट छह से सात महीने पहले भी हैक हो गया था। जिसे जल्द ही रिकवर कर लिया गया था। फेसबुक के दुनिया में करोड़ों यूजर्स हैं। फेसबुक अपने यूजर्स की प्राइवेसी को गंभीरता से लेते हुए हर रोज नए प्राइवेसी टूल्स मुहैया कराता है। बावजूद इसके यूजर्स के फेसबुक अकाउंट हैक हो जाते हैं। किसी भी फेसबुक अकाउंट को हैक करने के लिए फिशिंग अटैक एक सरल तरीका है। हैकर्स इसी का इस्तेमाल करके अकाउंट को आसानी से हैक करते हैं।

फिशिंग अटैक के लिए हैकर्स एक फेक लॉगिन पेज बनाता है, जो बिल्कुल असली फेसबुक पेज की तरह ही दिखता है। इसके बाद, हैकर्स दूसरे यूजर को इस पर लॉग इन करने के लिए कहता है। यूजर द्वारा एक बार फेक पेज को लॉग इन करने के बाद उसके ईमेल एड्रेस और पासवर्ड को टेक्स्ट फाइल में स्टोर कर लिया जाता है। टेक्स्ट फाइल को डाउनलोड कर हैकर, यूजर के फेसबुक पेज को हैक कर लेता है। इसके अलावा कीलॉगिंग फेसबुक अकाउंट को हैक करने का सबसे सरल तरीका है। कीलॉगर मूल रूप से एक छोटा सा प्रोग्राम है, जिसे यूजर के कंप्यूटर पर इंस्टॉल कर देने के बाद यह आपकी सारी डिटेल्स को रिकॉर्ड करता रहता है। इसके बाद, यूजर्स की डिटेल्स हैकर्स को [illegible] के जरिए या फिर सीधे हैकर्स के ईमेल एड्रेस में भेजी जाती है। यदि आप फेसबुक का इस्तेमाल करने के लिए [illegible] (नॉन-सिक्योर) कनेक्शन का प्रयोग करते हैं, तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। सेशन हाइजैकिंग के जरिए हैकर यूजर के ब्राउजर कुकी को चुराता है, जिसका इस्तेमाल वेबसाइट पर यूजर को प्रमाणित करने के लिए किया जाता है। साथ ही, यूजर के खाते तक पहुंचने के लिए इसका इस्तेमाल करता है।

भाजपा बेवजह दे रही है संसद में सुरक्षा के मामले को राजनीतिक रंग : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी संसद में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे का राजनीतिकरण कर इस गंभीर मामले को बेवजह राजनीति रंग दे रही है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि विपक्ष नहीं बल्कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है और

दिल्ली पुलिस ने न्यायालय में कहा है कि यह आतंकवादी हमला है जबकि विपक्ष बराबर इसे सुरक्षा में चूक का मुद्दा बता रहा है इसलिए विपक्ष नहीं बल्कि भाजपा इसका राजनीतिकरण कर रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार दावा करती है कि नया संसद भवन दुनिया का सबसे सुरक्षित भवन है। संसद के इस भवन के निर्माण पर आर्थिक संकट के दौर में भी बड़े पैमाने पर पैसा खर्च किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जिस सांसद ने इन युवकों को पास दिया था वह कौन है। इससे बड़ी बात यह है कि सुरक्षा के मुद्दे को लेकर आवाज उठाने वाले सांसदों को सदन से निलंबित किया जा रहा है और जिस सांसद ने युवकों को संसद भवन का पास दिया उनके खिलाफ कुछ नहीं हो रहा है।

गृह मंत्री के बयान देने के बाद ही चल सकती है संसद : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है की संसद में सुरक्षा में चूक का मामला अत्यंत गंभीर है और जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर दोनों सदनों में बयान नहीं देते हैं तब तक संसद का चलना संभव नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग की प्रभारी जय राम रमेश ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है और गृह मंत्री को सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर दोनों सदनों में बयान देकर इस मुद्दे पर सांसदों के सवालों का जवाब देना है और उसके बाद सदन की कार्यवाही शुरू की जा सकती है।उन्होंने कहा कि गृहमंत्री इस बारे में जो बयान बाहर दे रहे हैं उन्हें सदन में आकर जवाब देना चाहिए। जब तक गृहमंत्री दोनों सदनों में बयान नहीं देंगे तब तक दोनों सदनों में कामकाज होने की संभावना बहुत कम है। प्रवक्ता ने कहा,'गृह मंत्री अहंकारी हैं। वह सदन की सुरक्षा के चूक के मामले में टीवी चैनल के शो में बात करते हैं लेकिन वही बात सदन के अंदर बोलने को तैयार नहीं हैं। इंडिया गठबंधन के सांसदों की मांग है कि गृहमंत्री सदन में बयान दें लेकिन सरकार ने इसे माना नहीं है। इस वजह से दो दिन से सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। देश के गृहमंत्री टीवी चैनल पर जाकर संसद में हुई घटना पर बात करते हैं लेकिन वे सदन में कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।' उन्होंने कहा,'श्री शाह इस घटना में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की भूमिका से ध्यान भटकाना चाहते हैं। सरकार की तरफ से पहले इसे एक छोटी घटना बताया गया था लेकिन फिर संसद में घुसने वालों पर गैर कानूनी गतिविधियां अधिनियम यूपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

केन्द्र व प्रदेश की सरकारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए ठोस कदम

करनाल। विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा' कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक 'आत्मनिर्भर और विकसित' भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी विजन है जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम करेगा। गांव डबरी में नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता तथा गांव शाहपुर में भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि नागरिकों से सीधा संवाद किया। गांव डबरी में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि संजय बठला ने विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को एक साथ मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। नागरिकों ने शपथ ली कि 'भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे।

नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सोच है कि आम आदमी सुचारू रूप से जिंदगी जिए और सरकार की जनकल्याणिकारी नीतियों एवं योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के ऐसे वंचितों को प्राथमिकता दी है जो दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। गरीब परिवारों का चूल्हा धुंआ रहित हो, इसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए है। उन्होंने ने कहा कि अब हरियाणा में एक लाख 80 हजार रुपये से कम आय वाले परिवार की बेटी को कॉलेजों में मुफत शिक्षा दी जाएगी ह। ऐसे गरीब परिवार जिन के घर में कोई नौकरी नहीं है उसे 5 अंक अतिरिक्त दिए जा रहे हैं।

नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की सरकारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों की संख्या में महिला महिलाएं आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार का गुजारा कर रही है। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र से जोडकर पात्र लाभार्थियों को घर बैठे ही उनकी पैंशन लगाई जा रही है। इसी प्रकार कौशल रोजगार निगम के माध्यम से जिन बीपीएल परिवारों की वार्षिक आमदनी एक लाख 80 हजार रूपये से कम है उन परिवारों के उम्मीदवारों को नौकरियों में प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अच्छी एवं नेक सोच के चलते महिलाओं को पंचायती राज चुनावों में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी प्रदान की है। पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों के सहयोग से उनका समाधान करवाया और कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से योजनाओं के लाभार्थियों का फीड बैक भी लिया जा रहा है। उसके आधार पर यदि किसी योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कोई कमी रह गई है तो उसे दूर किया जाएगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में गांव शाहपुर में पहुंचे भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का दौर देश व प्रदेश में चला है उसी का परिणाम है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को लाभ देने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी का आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड, परिवार पहचान पत्र, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता या अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं बनी है तो उनका मौके पर ही पंजीकरण किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में बोलते हुए जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा ने कहा कि इस यात्रा का मकसद केवल समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं को पहुंचना है ताकि जो व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित रह गए हैं उन व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके यह यात्रा प्रदेश के हर गांव में जाएगी और लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देगी ताकि लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठा सके द्य उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल केंद्र सरसों में बनी भाजपा सरकार ने प्रदेश से शासन व प्रशासन में पहले भ्रष्टाचार को समाप्त करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी विधानसभा क्षेत्र में बिना भेदभाव विकास कार्य करवाए, नौकरियों में पूरी पारदर्शिका से कार्य किया जा रहा है जिसकी वजह से गरीब परिवारों के बच्चों को प्रदेश में बिना पर्ची बिना खर्ची नौकरियां दी जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में गांव डबरी में आयुष्मान योजना के तहत ईशम सिंह सिंह व सावित्री देवी ने और इसी प्रकार गांव शाहपुर हर्षाली देवी के सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपने विचार रखें इसी प्रकार कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के तहत गांव डबरी की सीमा देवी निकिता देवी व सीमा व गांव शाहपुर की पूनम देवी मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए इसके अलावा गांव शाहपुर में मौके पर ही नीरेश कुमार शिमला देवी वह सतीश कुमार के बीपीएल राशन कार्ड भी बनाए गए। इस मौके पर डबरी में भाजपा के जिला महामंत्री प्रमोद नागपाल भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्वनी गोयल, बीडीपीओ कुंवारी मोनिका, गांव के सरपंच सुरेश पाल व गांव शाहपुर के सरपंच चंद्रभान सहित गांव की गण मान्य व्यक्ति एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का सपना होगा साकार

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में जिले के गांव डिडवाड़ी में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के जिला किसान सेल के अध्यक्ष महावीर दहिया ने कहा कि मोदी सरकार का अब तक का कार्यकाल उपलब्धियों भरा रहा है। लोग इसकी चर्चा चौपालों पर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने 45 वर्ष के कार्यकाल में इतना परिवर्तन कभी नहीं दिखाई दिया जो इस सरकार के कार्यकाल में दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा में विकास की गंगा बह रही है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से जो वायदा किया था उसे पूरा किया है। लाल किले से जो घोषणा की उन पर पूरी तरह से अमल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक जनवरी से बुढ़ापा पेंशन में बढ़ोतरी की जा रही है। इस मौके पर उन्होंने लोगों को विकसित भारत संकल्प के संदर्भ में शपथ भी दिलाई और उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस किट प्रदान कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में विभिन्न भागों के लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव लोगों के साथ सांझा किया। इस मौके पर एसडीएम मनदीप सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे एक-एक समस्या को सुन कर मौके पर उसका निदान करें। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टालों का मुख्य अतिथि के साथ निरीक्षण किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने बेहतरीन प्रस्तुति दी व लोगों को पानी बचाने व बेटी बचाने का संदेश दिया। इस मौके पर तहसीलदार सौरभ शर्मा, बीडीओ विवेक, सरपंच सीमा देवी, सरपंच प्रतिनिधि जगबीर व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा मोटे अनाज को लेकर रैली आयोजित की गई वहीं ड्रोन का सफल प्रदर्शन किया गया।

निजामपुर चौक फ्लाईओवर व नहरी रिचार्ज समेत विधायक ने विधानसभा में उठाए कई महत्वपूर्ण मुद्दे

नारनौल। शुक्रवार को प्रारंभ हुए हरियाणा विधानसभा के अधिवेशन में नांगल चौधरी के विधायक डॉक्टर अभय सिंह यादव ने शून्यकाल में इस क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे सदन में उठाए।

सबसे पहले उन्होंने नहर को पक्का करने के उपरांत कुछ गाँवों में गिरते भूजल स्तर की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि नहर को पक्का करना टेल पर पानी पहुँचाने के लिए ज़रूरी था परंतु नहर से जिन गांवों में रिचार्ज प्रभावी रूप से हो रहा था उसमें कुछ बाधा आयी है।

उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश देने का सरकार से निवेदन किया कि पक्की नहर में जगह जगह नहर की तली में कुछ हिस्से को कच्चा छोड़ दिया जाए ताकि रिचार्ज की समस्या का निदान प्रभावी रूप से हो सके।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में सेम की समस्या है वहाँ तो ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है लेकिन महेंद्रगढ़ ज़िले में जहाँ भूजल स्तर नीचा है वहाँ इस तरह की व्यवस्था कर दी जाए। इसके साथ ही उन्होंने कुछ वर्ष पहले बने हुए नारनौल में निजामपुर चौक फ़्लाईआवर की ओर उप मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि उस फ़्लाइओवर का उपरी हिस्सा बहुत ख़राब हालत में है अतः रेलवे अधिकारियों से संपर्क करके इसको ठीक करवाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने सदन में रहते हुए ही विभाग से रिपोर्ट लेकर विधायक को बताया कि जल्द ही रेवले के साथ यह मामला उठाकर और इस पुल को ठीक किया जाएगा। इसके साथ ही विधायक ने सरकार का छोटे दस्तकारों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि जैसे किसानों को फ़सल ख़राब होने का मुआवज़ा दिया जाता है उसी तरह छोटे दस्तकारों को भी प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाले नुक़सान का मुआवज़ा दिया जाए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि मिट्टी के बर्तन बनाने वाले दस्तकारों को जब बीच में वर्षा हो जाती है तो काफ़ी नुक़सान होता है। ऐसे दस्तकारों के लिए भी मुआवज़े की व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। विधायक में सदन में एक अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को उठाते हुए कहा कि रोज़ाना गांवों से प्रेम विवाह के नाम पर लड़कियाँ ग़ायब हो रही हैं और समाज का सारा ताना बाना नष्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह प्रेम विवाह विरुद्ध नहीं है अपितु उसमें कुछ मर्यादाएं तो रखनी ही पड़ेंगी ।यदि नज़दीक परिवारिक रिश्तों एवं खून के रिश्ते में भी शादियों होने लगी तो समस्त समाज की व्यवस्था लड़खड़ा जाएगी और इसके लिए सभी को विचार करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि इस विषय में उन्होंने अल्पकालिक चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष को एक नोटिस भी दिया है। परंतु इस समाज को अगर इस तरह से सामाजिक व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया तो रिश्तों का पूरा तंत्र समाप्त हो जाएगा और समस्त सामाजिक अव्यवस्था खतम जाएगी। अतः उन्होंने इस विषय में समस्त समाज को सामूहिक सोच के साथ सामाजिक व्यवस्था को बचाने के प्रयास करने चाहिए।

हरियाणा की बेटी संजोली यूएनओ के साथ पालिसी मैकिंग पर काम करना चाहती है

करनाल। सामाजिक कार्यों के साथ युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक दिशा मं लगाने के लिए यूनाइटेड किंगडम सरकार द्वारा 75 साल में 75 महिलाओं की सुूची में स्थान बनाने वाली करनाल की बेटी संजोली बनर्जी का कहना है कि आज देश में युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में लगाने की जरूत है। उनका कहना है कि आज समूचा विश्व भारत के युवाओं की तरफ देख रहा हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि आज मोदी के कारण विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। संजोली ने कहा कि वह यूनाइटेड नैशन के साथ पालिसी मेकिंग के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। संजोली ने बताया कि विश्व की चयनित 75 महिलाओं में वह सबसे कम उम्र की महिला हैं। और हरियाणा से एक मात्र । संजोली ने बताया कि भारत के आजादी के अमृत वर्ष को लेकर यूके की सरकार ने 75 महिलाओं का चयन किया। इन महिलाओं को आज बर्मिंघम पैलेस में ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने अपने यहां सम्मान समारोह में बुलाया था। इसको लेकर इन महिलाओं के परिचय वाली पुस्तिका प्रकाशित

की गई। संजोली ने बतारया कि वह किन्ही कारणों से यूके नहीं जा सकी। संजोली करनाल के इगलिश गुरु मिहिर वैनर्जी की बड़ी बेटी है। उनकी दूसरी बेटी भी सेवा के काम में लगी है। बैनर्जी सिस्टर करनाल और दिल्ली में सुशिक्षा अभियान चला रही है संजोली ने बताया कि वह आस्ट्रेलिया से समाजसेवा में जी जी की डिग्री कर रही ळैं। इससे पहले उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा में पी जीकी हैं। वह आस्ट्रेलिया में एक दिन की सासंद बनी। महज पांच साल की उम्र से सेवा के काम में लगी संजोली ने गलोबल वार्मिग, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने, युवाओं को नशा और डिप्रेशन से मुक्ति स्ट्रीट चाइल्ड को पढ़ाने जैसे अभियान में काम कर रही हैं। संजोली ने बताया कि उनकी बहन अनन्या मिल कर काम कर रहे है। उनके पिता मिहिर वनर्जी तथा उनकी मां श्रीमती गगन बेनर्जी उनको सहयोग दे रहे हैं। मिहिर वनर्जी ने देश में पहला लोहडी बेटी के नाम कार्यक्रम किया था। दोनों ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व हैं। संजोली को डायना एवार्ड के साथ कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं। करनाल ही नहीं हरियाणा का नाम पूरे विश्व में रोशन कर रही संजोली की चाहत प्रधानमंत्री के साथ पालिसी मैकिंग के क्षेत्र में काम करने की हैं। वह अब तक प्रधानमंत्री, संयुक्त राष्ट्र संघ आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पीएम को ज्वलंत मुदुदों पर पत्र लिख चुकी हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा एक मिशन है जिसमें सभी आहुति दें- हरपाल ढांडा

पानीपत। पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक महिपाल ढांढा के भाई हरपाल ढांढा ने इसराना खंड के गांव हड़ताड़ी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा एक मिशन है । इस मिशन उद्देश्य लोगों की जो समस्याएं हैं उनको दूर करना व सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से हर व्यक्ति को अवगत कराना है। यह विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव जाकर लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवा रही है। हर गांव मे पहुंचने पर यात्रा का स्वागत किया जा रहा है। यह यात्रा लगातार कीर्तिमान स्थापित करती जा रही है। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के संदर्भ में ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई।

हरपाल ढांढा ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि वह गांव के लोगों को हर प्रकार की जानकारियां उपलब्ध करवाकर, उनकी जो समस्याएं है उन्हें शिद्दत पूर्वक सुनते हुए उनका तुरंत प्रभाव से समाधान करें । यह कार्यक्रम पूरी तरह से ग्राम वासियों के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि ऐसी बहुत सी योजनाएं हैं जिन्हें पोर्टल पर जाकर हम अपना आवेदन कर सकते हैं व उनका लाभ ले सकते हैं। पूरे देश में यह पहली बार हो रहा है जब पूरा प्रशासन लोगों के मध्य पहुंचकर उनकी समस्याओं को दूर करता है व जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देता है। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निशुल्क गैस किट प्रदान की व गांव के खिलाड़ियों, समाजसेवियों ,पूर्व सैनिकों,चौकीदारों ,होनहार छात्रों व कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति की कविताएं व हरियाणवी संस्कृति से जुड़े नृत्य बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत कर लोगों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में जल ही जीवन है मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष विभाग व कई अन्य विभागों के लाभार्थियों ने अपनी प्रस्तुति देकर अपने अनुभवों को लोगों के सामने साझा किया। कार्यक्रम में एसडीएम मनदीप सिंह ने कहा कि अधिकारी अपनी ड्यूटी का सही तरीके से निर्वहन करें । दोनों सत्रों के इन कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बेहतरीन तरीके से होनी चाहिए । कोई भी ग्रामीण जो समस्या लेकर यहां पहुंचे हैं उनकी समस्या का हर हाल में समाधान करें व उनका उचित मार्गदर्शन करें।

इस मौके पर एसडीएम मनदीप सिंह,बीडीओ विवेक, पशुपालन विभाग के एसडीओ डॉक्टर अश्वनी मोर ,कृषि विभाग के एसडीओ राधेश्याम, बिजली विभाग के एसडीओ मनोज कुंडू, सामाजिक कार्यकर्ता कुमारी रंजीता कौशिक, सरपंच मीना देवी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर संजय,सरपंच के प्रतिनिधि इकराम आदि मौजूद रहे।

गुरु रविदास जैसे महान संतों की वजह से भारत है और हमेशा रहेगा विश्व गुरु–सूरजभान कटारिया

कुरुक्षेत्र– केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य एवं गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्टीय प्रधान संगठन महामंत्री सूरजभान कटारिया ने आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में गुरु रविदास प्रदर्शनी में समाज की गणमान्य व्यक्तियों के साथ उद्घाटन करके विधिवत शुभारंभ किया। कटारिया के साथ कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य जसवंत पठानिया, डॉ ऋषि पाल मथाना, एस. के. मुदगिल एवं कैप्टन अमरजीत सिंह, पूर्व सदस्य के.सी. रंगा, जिला बाल संरक्षण कमेटी के सदस्य हरि सिंह ने भी गुरु रविदास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। श्री गुरु रविदास मंदिर सभा एवम धर्मशाला के दवारा आयोजित लगातार तीसरी वर्ष की भव्य प्रदर्शनी मे सूरजभान कटारिया ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के जीवन दर्शन एवम शिक्षा को गीता जयंती में प्रचारित करने के उद्देश्य से लगाई गई यह प्रदर्शनी को युवाओ के लिय प्रेरणादायक बताया है उन्होंने कहा है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जैसे महान संतों की वजह से ही भारत आज विश्व गुरु है और हमेशा रहेगा। कटारिया ने इस भव्य प्रदर्शनी के लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोगार्थ गुरु रविदास मंदिर एवम धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र की पूरी प्रबंधकीय कमेटी का आभार व्यक्त किया। कटारिया ने कहा की हमें अपने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज, संत कबीर, महर्षि वाल्मीकि सहित समाज के महान गुरुओ की शिक्षाओं तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जैसे महान महापुरुषों की जीवन आदर्श से राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि गुरु रविदास जी की शिक्षा से युवा वर्ग को जुड़कर चलेगा, तभी समाज तरक्की कर सकता है! प्रदर्शनी में श्री गुरु रविदास मंदिर एवम धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष सूरजभान नरवाल ने सूरजभान कटारिया सहित कुरुक्षेत्र विकास

बोर्ड के सदस्य जसवंत पठानिया, डॉ ऋषि पाल मथाना, एस. के. मुदगिल एवं कैप्टन अमरजीत सिंह को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी जीवन संदेश चित्र भेंट कर सम्मानित किया और सूरजभान नरवाल ने कहा की संत-महात्मा गुरु अपनी शिक्षाओं से महान बनते है हमें समाज में उनकी शिक्षाओं का प्रचार प्रसार करना चाहिए। इस अवसर पर श्री महिपाल, रामस्वरूप, पूर्व सरपंच रामकरण, विजय कुमार, नरेश कुमार, रामकुमार राहुल सुविधा, जोगिंदर, रामलाल आदि उपस्थित रहे ।

पांच माह बाद दिया बाढ़ से खराब फसलों का मुआवजा वो भी आधा-अधूरा : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहाकि प्रदेश सरकार का जब से गठन हुआ है वह किसानों को खून के आंसू रूला रही है। किसानों का शोषण और उन्हें प्रताड़ित करने का कोई भी मौका नहीं चूक रही है। पांच माह पूर्व भारी बरसात और बाढ़ से खराब हुई फसलों का मुआवजा राशि जारी करने की घोषणा की है जो आधी अधूरी है, 1.41 लाख किसानों ने मुआवजा देने की मांग की थी।

मगर सरकार ने 34511 किसानों के लिए मुआवजा राशि जारी की है, ऐसे में सरकार वंचित रहे। किसानों के लिए जल्द से जल्द मुआवजा राशि जारी करें। उन्होंने कहा कि सरकार को मुआवजा देने में भेदभाव नहीं करना चाहिए। जो किसान रह गए है उनकी खराब हुई फसलों की मुआवजा राशि भी जल्द जारी की जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहाकि एक ओर गठबंधन सरकार दावा करती है कि सबका साथ, सबका विकास और बिना किसी भेदभाव के काम करती है पर धरातल पर कुछ और ही दिखाई देता है। पांच माह पहले भारी बरसात और बाढ़ से फसलों को भारी नुकसान हुआ था, किसान स्वयं को लुटा-पिटा मानकर बैठ गया था, किसानों ने मुआवजा राशि की मांग की। जिसके लिए सरकार विशेष गिरदावरी की बात करती रही फिर अधिकारियों से सर्वे कराया।

मुआवजे के लिए 1.41 लाख किसानों ने मांग की थी पर सरकार ने 34511 किसानों के

लिए मुआवजा राशि जारी की। कहा गया कि सरकार ने 99039 एकड़ में नुकसान माना, 49842 एकड़ में 25 प्रतिशत नुकसान मानते हुए ही मुआवजा राशि जारी की गई। उन्होंने कहा कि सरकार को हर पीड़ित किसान को मुआवजा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसानों ने सरकार को बताया था कि उनकी 6.87 लाख एकड़ में फसल खराब होने का दावा किया था। सरकार ने 16444 एकड़ में 25 से 49 प्रतिशत, 28693 एकड़ में 75 से 100 प्रतिशत, 4705 एकड़ में 50 से 74 प्रतिशत नुकसान माना है। कुमारी सैलजा ने कहाकि नरमा कपास की फसल पर गुलाबी सुंडी का प्रकोप हुआ था जिससे फसल बुरी से खराब हो गई थी जो बची आज उसे कोई खरीदने को तैयार नहीं है।

आर्थिक रूप से टूट चुका किसान सरकार की ओर टकटकी लगाए बैठा है कि कब सरकार नरमा-कपास से खराब हुई फसलों के मुआवजे का ऐलान करेगी। सरकार ने बाढ़ से प्रभावित हुई फसलों को लेकर किसानों को आधी अधूरी राहत दी है ऐसे में उसे संशय है कि नरमा कपास की फसल को मुआवजा देने में भी सरकार मनमानी और भेदभाव करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को बिना भेदभाव और बिना क्षेत्रवाद के पीड़ित किसानों को मुआवजा रूपी राहत राशि प्रदान करनी चाहिए।

विस्तार कार्यक्रम की सफलता हेतू निगरानी एवं मूल्यांकन जरूरी: डा. रमेश कुमार गोयल

नीलोखेड़ी/करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी में आज विस्तार कार्यक्रम की निगरानी एवं मूल्यांकन विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर डा. रमेश कुमार गोयल, निदेशक रिसर्च, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न जानकारियों को किसानों तक पंहुचाया जाता है ताकि कृषक ज्यादा बेहतर तरिके से खेती कर सकें। किसी भी विस्तार कार्यक्रम को प्रभावी तरिके से लागू करने के लिए उसकी निगरानी करना आवश्यक है। निगरानी के माध्यम से विस्तार कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त करने में आसानी होती है जबकि विस्तार कार्यक्रम आयोजित करने के पश्चात उसका मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह जाना जा सके कि कार्यक्रम कितना सफल रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विस्तार अधिकारियों को बेहतर तरिके से विस्तार कार्यक्रमों को लागू करने में मदद मिलेगी। संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार ने बताया कि यह संस्थान वाईस-चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेतृत्व में उत्तर भारत के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि, उद्यान, पशु-पालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास इत्यादि विभागों के विस्तार अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। वित्तीय सहयोग के लिए उन्होंने विस्तार निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का भी धन्यवाद किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल का भी धन्यवाद किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के बारे में अपना फीडबैक देते हुए संस्थान की सुविधाओं की प्रशंसा की। प्रशिक्षण संयोजक डा. अनिल कुमार रोहिला ने बताया कि प्रशिक्षण में जम्मू-कश्मीर, पंजाब, झारखंड एवं बिहार के विस्तार अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

गुल्लरपुर और गोंदर पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

करनाल। आज 16वें दिन विकसित भारत संकल्प यात्रा जिला के गांव गुल्लरपुर और गोंदर पहुंची। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने इस मौके पर ग्रामीणों से अपील की कि वे बच्चों को नशाखोरी से हटाकर शिक्षा व खेलों के प्रति प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है। युवा पीढ़ी को इससे बचाना जरूरी है। खिलाड़ियों के लिए सरकार ने अनेक सुविधाएं मुहैया कराई हैं। गांव में स्टेडियम और व्यायामशालाएं स्थापित की गई हैं। बी.पी.एल. परिवारों की छात्राओं के लिए सरकारी व प्राइवेट कालेज में मुफ्त उच्च शिक्षा का प्रबंध किया गया है। गोंदर में विधायक धर्मपाल गुप्ता ने कहा कि नीलोखेड़ी हलके में सर्वाधिक विकास कार्य कराये गये हैं।

गुल्लरपुर पहुंचने पर सरपंच प्रतिनिधि सुरेश कुमार और गोंदर में मोहन शर्मा ने पूर्व विधायक का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया। हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। दोनों गांवों में एचएसएसएस के पूर्व सदस्य अमरनाथ सौदा ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र

बनाने की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने इससे पूर्व स्टॉल्स का अवलोकन किया। पूर्व विधायक ने इस मौके पर सरकार की आयुष्मान भारत चिरायु योजना, निरोगी हरियाणा योजना, उज्ज्वला योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना आदि के बारे में जानकारी दी तथा यात्रा के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के विकास की कुंजी है। अभिभावकों को उन्होंने बच्चों की शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। सरकार ने प्रदेश में 77 नए सरकारी कॉलेज खोले हैं जिनमें से 2 महिलाओं के लिए है। प्रदेश में 'बिना पर्ची-बिना खर्ची' के योग्यता के आधार पर 1.10 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है तथा 60 हजार और नौकरियां शीघ्र दी जाएंगी। इसी प्रकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के लगभग 20 लाख माध्यम में छोटे किसानों के खेतों में 5 हजार करोड़ रुपए की राशि जमा कराई गई है। डॉ अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना में एस.सी व बी.सी वर्ग के विद्यार्थियों को 12 हजार तक वार्षिक छात्रवृत्ति दी जा रही है।

सबसे अधिक विकास कार्य का दावा- गोंदर में विधायक धर्मपाल ने कहा कि हलके में उन्होंने सडकों, नालियों, पुलों, रास्तों आदि से संबंधित सर्वाधिक विकास कार्य कराये हैं। गांव गोंदर में आने वाले समय में सीवरेज लाईन बिछाई जायेगी। इससे गंदे पानी की निकासी की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हलके के अनेक युवाओं को मैरिट आधार पर नौकरी मिली है। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि आज की शिकायतों में से यदि कोई लंबित रह जाती है तो उसे 15 दिन के भीतर निपटायें। निगदु क्षेत्र में अनेक सडकों का विस्तार किया गया है। सरकार ने 9 साल में हर वर्ग के लिये योजनायें लागू की हैं। इससे पहले उन्होंने भी स्टाल्स का अवलोकन किया।

मेरी कहानी मेरी जुबानी - गुल्लरपुर में समय सहायता समूह से जुड़ी कौशल्या देवी ने मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत अनुभव सांझा किये। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ऋण लेकर महिलाओं ने खुद का काम शुरू किया, ब्लॉक इंचार्ज सुमन रानी ने बताया कि गांव में 14 एस.एच.जी. हैं।

इन्हें किया सम्मानित - मुख्य अतिथि ने गांव गुल्लरपुर में रिटायर्ड प्राध्यापक चंद्रभान, पूर्व सैनिक ईशम सिंह, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता वर्षा, सलोनी, तुषार, हर्ष व सिमरन को सम्मानित किया। गोंदर में भगवानदास कबीरपंथी और श्री धर्मपाल गुप्ता ने क्विज, पेंटिंग, निबंध, स्लोगन प्रतियोगिता के विजेता विशाखा, चंचल, जैसमीन, तनिषा, स्नेहा, अनुराधा, संध्या, अंजलि, ज्योति, निधि राणा, प्रिंसी, खुशी, मुस्कान, वंशिका और सरिता को सम्मानित किया।

उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन - गुल्लरपुर में उज्ज्वला योजना के तहत संतोष और प्रेमी तथा गोंदर में गीता, अंतिम, रीना, रीटा, पूजा को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। यहां दो लोगों की मौके पर ही पेंशन बनाई गई।

डेढ़ दर्जन विभागों ने लगाई स्टॉल - दोनों गांव में करीब डेढ़ दर्जन सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। पी.पी.पी., पेंशन आदि से संबंधित लोगों की समस्याओं का निवारण किया। स्वास्थ्य और आयुष विभाग की ओर से रोगियों की जांच कर दवा वितरित की। कृषि विभाग के विकास पंवार व संदीप कुमार ने पीएम किसान योजना, मेरा पानी मेरी विरासत योजना के बारे में किसानों को बताया।

अक्टूबर में ईएसआई योजना के तहत 17.28 लाख नए श्रमिकों का नामांकन

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अस्थायी पेरोल डेटा के अनुसार अक्टूबर में 17.28 लाख नए कर्मचारी ईएसआई योजना के तहत जुड़े हैं। अक्टूबर में करीब 23,468 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया है। इसके साथ ही इनके कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तहत सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके अधिक कवरेज सुनिश्चित की गई है। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि इस दौरान देश के युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं। मंत्रालय के मुताबिक अक्टूबर, 2023 के दौरान शामिल किए गए कुल 17.28 लाख कर्मचारियों में से 8.25 लाख कर्मचारी 25 वर्ष की आयु तक के हैं। ये नए पंजीकरणों में बहुतायत हैं, इनकी संख्या कुल कर्मचारियों का 47.76 फीसदी है।

मंत्रालय की ओर से जारी पेरोल डेटा के लिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि अक्टूबर, 2023 में कुल 3.31 लाख महिला सदस्यों का नामांकन हुआ है। डेटा से पता चलता है कि अक्टूबर महीने में कुल 51 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है, जो यह दर्शाता है कि ईएसआईसी अपनी योजना का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलआईसी एजेंटों को अब मिलेगी पांच लाख ग्रेच्युटी, ईएसआईसी से 17.28 लाख कर्मचारी जुड़े

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने एजेंटों के लिए ग्रेच्युटी सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी है। इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। यह बढ़ोतरी भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) विनियमन-2017 में संशोधन कर प्रभाव में लाई गई है। एलआईसी ने शेयर बाजार को बताया कि इन नियमों को भारतीय जीवन बीमा निगम (एजेंट) संशोधन विनियमन-2023 कहा जा सकता है। यह नियम 6 दिसंबर के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने सितंबर में एलआईसी एजेंटों और कर्मचारियों के लाभ के लिए कई कल्याणकारी उपायों को मंजूरी दी थी। इन उपायों में ग्रेच्युटी सीमा और पारिवारिक पेंशन में वृद्धि भी शामिल है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की विभिन्न योजनाओं के तहत अक्तूबर में 17.28 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। श्रम मंत्रालय के मुताबिक, 23,468 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए। युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा हुए।?नए पंजीकरण में 25 वर्ष आयु वर्ग तक के 8.25 लाख कर्मचारी हैं। मार्केटिंग सॉल्यूशंस कंपनी माघ एडवर्टाइजिंग बोनस इश्यू और शेयरों के विभाजन पर 20 दिसंबर को बोर्ड की होने वाली बैठक में फैसला कर सकती है। एक महीने में शेयर के भाव 150 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 80 फीसदी बढ़कर 21.55 करोड़ रुपये रहा।

'कर्नाटक बैंक निजी इकाई है राज्य नहीं', हाईकोर्ट ने रिट याचिका खारिज करते हुए कही यह बात

नई दिल्ली। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने निजी क्षेत्र के कर्नाटक बैंक के खिलाफ एक रिट याचिका खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने कहा कि कहा कि कर्नाटक का निजी बैंक कर्नाटक बैंक संविधान के अनुसार राज्य नहीं है और इसे किसी भी वैधानिक या सार्वजनिक कर्तव्य को निभाने वाली संस्था या कंपनी नहीं कहा जा सकता है। बैंक के खिलाफ एक रिट याचिका को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति केवी अरविंद की एकल पीठ ने हाल के एक आदेश में कहा, 'हालांकि प्रतिवादी बैंक सार्वजनिक वित्त की सेवा दे रहा है और भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से विनियमित है, लेकिन इसे किसी भी वैधानिक या सार्वजनिक कर्तव्य को करने वाली संस्था या कंपनी नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 12 अधिकारियों को परमादेश की रिट जारी नहीं की जा सकती है। राजेश कुमार शेट्टी ने अपनी याचिका में टी सुब्बाया शेट्टी और कर्नाटक बैंक के खिलाफ याचिका दायर कर उन्हें अपने खाते से 1,24,27,826 रुपये की सावधि जमा राशि निकालने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले 24 घंटे में कच्चे तेल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं है । ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड का भाव 0.06 डॉलर यानी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 76.55 डॉलर प्रति बैरल पर टिका है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.15 डॉलर यानी 0.21 फीसदी लुढ़ककर 71.43 डॉलर प्रति बैरल पर है।

लगातार दूसरे दिन सर्राफा बाजार में तेजी, सोने-चांदी की कीमत में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी बनी रही। देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में सोना आज 100 रुपये से लेकर 200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह चांदी में भी आज एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई। आज की तेजी के कारण दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी करीब 1 हजार रुपये की मजबूती के साथ 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा है। इन प्रमुख शहरों के अलावा लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 63,050 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इस्मा ने 2023-24 में चीनी का उत्पादन 325 लाख टन रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली। चीनी मिलों के संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) को देश में चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में कुल 325 लाख टन चीनी का उत्पादन (इथेनॉल के लिए उपयोग के बिना) होने की उम्मीद, जबकि घरेलू खपत 285 लाख टन रहने की अनुमान है। इस्मा ने कहा कि इथेनॉल बनाने के लिए गन्ना रस के उपयोग पर 'अचानक' प्रतिबंध से चीनी मिलों की क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश खतरे में पड़ गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने शुक्रवार को कहा कि इथेनॉल बनाने के लिए गन्ना रस के उपयोग पर 'अचानक' प्रतिबंध से चीनी मिलों की क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश खतरे में पड़ गया है। यह निवेश हरित ईंधन संयंत्र स्थापित करने के लिए पिछले तीन साल में लगाया गया है। उद्योग निकाय ने आशंका जताई है कि इससे गन्ना किसानों को भुगतान में देरी हो सकती है। इस्मा ने सरकार से मिल मालिकों की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए चीनी के उप-उत्पाद बी-हैवी और सी-हैवी शीरे से बने इथेनॉल की कीमतों में जल्द संशोधन करने की मांग की है। इस्मा के अध्यक्ष आदित्य झुनझुनवाला ने संगठन की 89वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि आपूर्ति वर्ष 2023-24 में इथेनॉल के लिए गन्ना रस या सिरप के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से अचानक प्रतिबंध, चीनी उद्योग के लिए एक बड़ा प्रतिरोधक है।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंध ने उद्योग को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। झुनझुनवाला ने सरकार से इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। झुनझुनवाला ने कहा कि बी-हैवी और सी-हैवी शीरे से बने इथेनॉल की कीमत को तुरंत संशोधित और घोषित करने की जरूरत है, ताकि इससे चीनी मिलों को हालिया प्रतिबंध से संभावित नुकसान की भरपाई करने में मदद मिलेगी।

झुनझुनवाला ने कहा कि चीनी विपणन वर्ष 2023-24 में कुल चीनी उत्पादन 325 लाख टन (एथनॉल के लिए उपयोग के बिना) होने की उम्मीद है, जबकि घरेलू खपत 285 लाख टन का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चीनी विपणन वर्ष 2022-23 में भारत ने 64 लाख टन चीनी का निर्यात किया। उन्होंने कहा कि सरकार आपूर्ति वर्ष 2023-24 में इथेनॉल उत्पादन के लिए 17 लाख टन चीनी के अंतरण की अनुमति दे सकती है। झुनझुनवाला ने कहा कि इथेनॉल के लिए 17-20 लाख टन अतिरिक्त चीनी के इस्तेमाल की गुंजाइश है।इस्मा अध्यक्ष ने कहा कि उद्योग ने इथेनॉल उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए पिछले तीन साल में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि यह बड़ा निवेश, जोखिम में है। झुनझुनवाल ने कहा कि इथेनॉल उत्पादन क्षमता तीन साल पहले 280 करोड़ लीटर से बढ़कर 766 करोड़ लीटर हो गई है। दरअसल आपूर्ति वर्ष 2022-23 (नवंबर से अक्टूबर) में पेट्रोल के साथ इथेनॉल का 12 फीसदी मिश्रण का स्तर हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उद्योग की मांग बी-हैवी शीरे से बने इथेनॉल की कीमत 59 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 64 रुपये प्रति लीटर की है। इसके साथ ही सी-हैवी शीरे की दर 49 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 58-59 रुपये प्रति लीटर करने की जरूरत है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.816 अरब डॉलर उछलकर 606.859 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। लगातार चौथे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ हे। देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 2.816 अरब डॉलर उछलकर 606.859 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.107 अरब डॉलर बढ़कर 604.042 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 8 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.816 अरब डॉलर बढ़कर 606.859 अरब डॉलर रहा है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.1 अरब बढ़कर 536.7 अरब डॉलर हो गई है। हांलाकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 19.9 करोड़ डॉलर घटकर 47.13 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 6.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.188 अरब डॉलर रह गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में देश का मुद्रा भंडार 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.842 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2021 में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

देश का निर्यात नवंबर में 2.83 फीसदी घटकर 33.9 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। देश का निर्यात इस साल नवंबर में 2.83 फीसदी घटकर 33.90 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने 34.89 अरब अमेरिकी डॉलर था। इस दौरान आयात भी घटकर 54.48 अरब डॉलर रह गया, जो नवंबर, 2022 में 56.95 अरब डॉलर था। देश का व्यापार घाटा नवंबर में 20.58 अरब डॉलर रहा।

वाणिज्य मंत्रालय एवं उद्योग मंत्रालय नेजारी आंकड़ों में बताया कि देश का निर्यात नवंबर में 2.83 फीसदी घटकर 33.90 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पिछले साल इसी महीने 34.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में भारत का कुल निर्यात (माल और सेवाएं संयुक्त) 62.58 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो नवंबर, 2022 की तुलना में 1.23 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि में निर्यात 6.51 फीसदी घटकर 278.8 अरब डॉलर रहा। आठ महीने की अवधि के दौरान आयात 8.67 फीसदी घटकर 445.15 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि वैश्विक नरमी के बावजूद भारत का निर्यात अच्छा रहा है।

नवंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 9 फीसदी बढ़ी : डीजीसीए

नई दिल्ली। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या नवंबर महीने में 9.06 फीसदी बढ़कर 1.27 करोड़ से अधिक रही। एक साल पहले इसी महीने में यह संख्या 1.17 करोड़ थी। इसके साथ ही इंडिगो एयरलाइन देश की सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी बनी रही। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने डीजीसीए ने जारी आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि नवंबर में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या 1.27 करोड़ रही जबकि पिछले साल इसी महीने में यह संख्या 1.17 करोड़ रही थी। इसमें सालाना आधार पर 9.06 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान इंडिगो देश की सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी बनी रही। हालांकि, नवंबर में इसकी बाजार हिस्सेदारी घटकर 61.8 फीसदी हो गई है, जो अक्टूबर में 62.6 फीसदी रही थी। नवंबर महीने में किसी भी अनुसूचित विमानन कंपनी का 'ऑन-टाइम परफॉर्मेंस' (ओटीपी) अंक 80 फीसदी से अधिक नहीं रहा। डीजीसीए के मुताबिक जनवरी-नवंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर 25.09 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1,382.34 लाख रही जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 1,105.10 लाख रही थी। आंकड़ों के मुताबिक स्पाइसजेट की घरेलू बाजार हिस्सेदारी अक्टूबर में पांच फीसदी से बढ़कर नवंबर महीने में 6.2 फीसदी हो गई, पिछले महीने इसका ओटीपी स्कोर 41.8 फीसदी था। विमान नियामक के मुताबिक एयर इंडिया की घरेलू बाजार हिस्सेदारी नवंबर में 10.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रही जबकि विस्तारा की हिस्सेदारी पिछले महीने मामूली गिरावट के साथ 9.4 फीसदी रह गई। अकासा एयर और एआईएक्स कनेक्ट की हिस्सेदारी नवंबर में क्रमशः 4.2 फीसदी और 6.6 फीसदी पर अपरिवर्तित रही। एयर इंडिया का ओटीपी स्कोर 62.5 फीसदी, जबकि एईक्स कनेक्ट तथा एलायंस एयर का ओटीपी स्कोर क्रमशः 69.7 फीसदी और 66.1 फीसदी रहा है। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित घरेलू एयरलाइन कंपनियों के 'ऑन-टाइम परफॉर्मेंस' (ओटीपी) की गणना चार महानगरों के हवाई अड्डों बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई पर उनकी सेवाओं के आधार पर की जाती है।

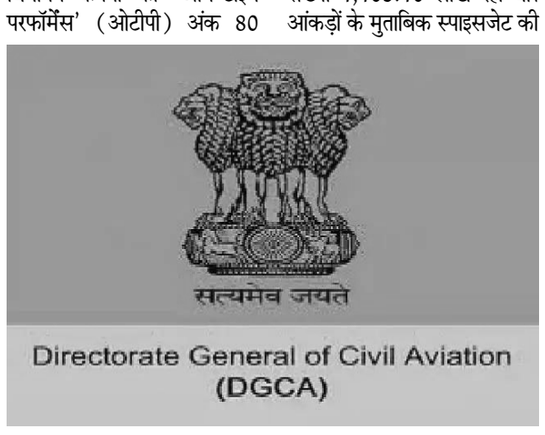

शेयर बाजार में बना कमाई का रिकॉर्ड, 11 दिनों में निवेशकों को 22 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। शेयर बाजार के निवेशकों के लिए दिसंबर काफी फायदे वाला महीना साबित होता नजर आ रहा है। इस महीने अभी तक कुल 11 दिन कारोबार हुआ है। इन 11 कारोबारी दिनों में शेयर बाजार के निवेशकों ने अभी तक 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। माना जा रहा है कि तीन राज्यों में हुई भाजपा की जीत, मजबूत ग्लोबल संकेत और कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी की वजह से घरेलू शेयर बाजार ने ये रफ्तार पकड़ी है। इन 11 कारोबारी दिनों में से 9 दिन ऐसे रहे हैं, जब शेयर बाजार में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया है।

शेयर बाजार में आई तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने के आखिरी कारोबारी दिन 30 नवंबर को सेंसेक्स 66,988.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि आज सिर्फ 11 दिन में ही सेंसेक्स 4,495.31 अंक उछल कर 71,483.75 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह 30 नवंबर को निफ्टी 20,133.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं 11 दिन कारोबार के बाद आज ये सूचकांक 1,323.50 अंक की छलांग लगा कर 21,456.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। अगर निवेशकों की कमाई की बात की जाए तो 30 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 335.60 लाख करोड़ रुपये था, जो आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 357.85 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। इस तरह दिसंबर महीने के 11 कारोबारी दिनों के दौरान निवेशकों की संपत्ति में करीब 22.25 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो चुका है। सिर्फ आज के कारोबार की बात करें तो आज की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 357.85 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 355.27 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.58 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

एपीएसईजेड ने एमएससी के साथ किया रणनीतिक साझेदारी का विस्तार

अहमदाबाद। देश की बड़ी ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अडाणी एन्ट्रोर कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एईसीटीपीएल) के संचालन के लिए दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग लाइन एमएससी की कंटेनर टर्मिनल ऑपरेटिंग और इन्वेस्टमेंट शाखा, टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआईएल) के साथ अपनी दूसरी रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की है। यह दूसरा संयुक्त उद्यम (जेवी) अडाणी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एआईसीटीपीएल) के लिए टीआईएल के साथ 2013 के संयुक्त उद्यम की सफलता के आधार पर हुआ है, जो भारत के सबसे बड़े प्राइवेट कमर्शियल पोर्ट मुंद्रा पोर्ट पर सीटी3 कंटेनर टर्मिनल का संचालन करता है। एपीएसईजेड के सीईओ करण अडाणी ने कहा, एपीएसईजेड की टीआईएल और एमएससी के साथ एक मजबूत साझेदारी है, जो आपसी विश्वास और पारदर्शिता पर आधारित है, जिसे हमारी बढ़ती साझेदारी के रूप में देखा जा सकता है। इस दूसरे संयुक्त उद्यम के साथ, अब हम दक्षिण में सबसे तेजी से बढ़ते कंटेनर टर्मिनल बाजारों में से एक में इस रणनीतिक साझेदारी को बढ़ा रहे हैं। हमारा लक्ष्य एन्ट्रोर कंटेनर टर्मिनल में एआईसीटीपीएल टर्मिनल की सफलता को दोहराना और दक्षिण भारतीय बाजार की व्यापार जरूरतों को पूरा करना है। दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी के साथ हमारे इस संबंध को मजबूत बनाना, एपीएसईजेड के मजबूत दृष्टिकोण को दिखाता है जो क्षेत्रीय विकास को एक स्पष्ट व्यापार नजरिये के साथ गति देने का दृढ़ उद्देश्य रखता है। टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के सीईओ अम्मार कनान ने कहा, हम भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर पोर्ट ऑपरेटर एपीएसईजेड के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करके बेहद खुश हैं।

मसूड़ों से खून आने की समस्या से हैं परेशान, बचाव के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

मसूड़ों से खून आना गंभीर समस्या हो सकती है। यह जिंजिवाइटिस और सकर्वी जैसी बीमारियों का संकेत हो सकता है। इसलिए मसूड़ों से खून आने की समस्या से बचाव करना बहुत जरूरी है। कुछ छोटी-छोटी बातों का ख्याल रख आप अपने मसूड़ों को हेल्दी बना सकते हैं। जानें कैसे मसूड़ों में खून आने की समस्या से बचाव किया जा सकता है।

ब्रश करते समय कई लोगों के मसूड़ों से खून आता है, जिसे वे नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार ब्रश करते समय, मसूड़ों पर चोट लगने या ब्रिसल्स बहुत हार्ड होने की वजह से भी ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है, लेकिन कई बार मसूड़ों से खून आना किसी गंभीर समस्या का इशारा होता है, जो आपकी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। इसका समय पर इलाज न करने की वजह से आगे चलकर खामियाजा उठाना पड़ सकता है। अगर आपके साथ भी ऐसी कोई समस्या है, तो सतर्क हो जाएं। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, मसूड़ों से खून आना जिंजिवाइटिस का संकेत हो सकता है। हालांकि, इसके अन्य कई कारण भी हो सकते हैं, जैसे- हार्मोन्स में असंतुलन, विटामिन की कमी और यहां तक की स्ट्रेस भी इसका एक कारण हो सकता है। आइए जानते हैं किन तरीकों से कर सकते हैं आप मसूड़ों में खून आने से बचाव।

सही ब्रश का चयन करें

आपका ब्रश आपके मसूड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, ब्रश खरीदते समय इस बात का ख्याल रखें कि उसके ब्रिसल्स नरम हों। ब्रिसल्स हार्ड होने की वजह से आपके मसूड़े छिल सकते हैं, जो उनके लिए काफी नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए सही ब्रश का चयन करें।

ओरल हाइजिन का ख्याल रखें

दांतों में मौजूद गंदगी की वजह से मसूड़ों पर भी नकरात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ओरल हाइजिन खराब होने की वजह से भी आपके मसूड़ों से खून आने की समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए रोज दिन में दो बार ब्रश करें और फ्लॉस करें। इससे आपके दांतों में जमा हुई गंदगी साफ होगी और मसूड़े भी हेल्दी रहेंगे।

नमक-पानी का इस्तेमाल

गुनगुने पानी में नमक के कुल्ला करना आपके मसूड़ों के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसलिए गुनगुने पानी से कुल्ला मसूड़ों से खून आने की समस्या से बचा सकता है।

विटामिन-सी खाएं

मसूड़ों से खून आने की समस्या, विटामिन-सी की कमी के कारण भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप विटामिन-सी की कमी न होने दें। इसकी कमी की वजह से स्कर्वी हो सकता है, जिसमें मसूड़ों से खून आता है। संतरा, कीवी जैसे फलों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं।

नियमित चेकअप

अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि आप नियमित तौर पर डेंटिस्ट से मिलें और चेकअप कराएं, ताकि अगर कोई समस्या हो, तो समय रहते उसका इलाज किया जा सके।

कॉप 28 ने भले ही टकराव को टाल दिया, पर संघर्ष के बिंदु अनसुलझे रहे

वैश्विक स्तर पर कोयला पिछले 30 वर्षों से बिजली क्षेत्र पर हावी रहा है, और रिस्टैड एनर्जी के अनुसार 2024 में ईंधन की गिरावट की शुरुआत होगी क्योंकि सौर और पवन उत्पादन की लोकप्रियता बढ़ेगी। नवीकरणीय ऊर्जा से नयी बिजली आपूर्ति से बिजली की मांग में अधिक इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अगले साल से कोयले का विस्थापन शुरू हो जायेगा और आने वाले वर्षों में इसमें बढ़ोतरी होगी।इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कॉप 28 दुबई वैसे ही आगे बढ़ा है जैसी की उम्मीद थी। चूंकि सदस्य देश इस बात से जूझ रहे थे कि जीवाश्म ईंधन के सबसे संवेदनशील मुद्दे को कैसे औपचारिक रूप दिया जाए और उस पर कैसे ध्यान दिया जाए, इसलिए आम सहमति बनाने की कोशिश करने के लिए जलवायु शिखर सम्मेलन को निर्धारित सीमा से आगे बढ़ाना पड़ा। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार कॉप 28 ने अंतिम घोषणा के रूप में एक प्रस्तावित पाठ जारी किया है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के हिस्से के रूप में देशों से जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान करेगा।

यह कुछ सबसे मुखर राज्यों की सफलता का प्रतीक है जिन्होंने जीवाश्म युग को समाप्त करने के संकल्प को इंगित करने के लिए मजबूत भाषा पर जोर दिया, एक ऐसा लक्ष्य जिसका तेल और कोयला उत्पादक देशों, विशेष रूप से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जोरदार विरोध किया जा रहा था। यह टकराव शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में ही अंतर्निहित था, उस कुर्सी पर आबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ बैठे थे।शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष सुल्तान अल जबेर की एक टिप्पणी %कोई विज्ञान नहीं है% जो यह दर्शाता है कि वैश्विक तापन को 1.5 एष्ट तक सीमित करने के लिए जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की आवश्यकता है, जिससे भौंहें तन गईं। वह इस हद तक दावा करने लगे कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से ख़त्म करना टिकाऊ नहीं होगा। दरअसल, मुख्य शिखर सम्मेलन से इतर एक महिला-उन्मुख कार्यक्रम में उनके और प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, जहां उन्होंने कहा कि उंगली उठाने का कोई मतलब नहीं है।

ओपेक सदस्य उत्सर्जन को पकड़ने और संग्रहीत करने की प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जीवाश्म ईंधन के बजाय उत्सर्जन को लक्षित करने के विचार को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि कार्बन कैप्चर करना अत्यधिक महंगा है जिससे ध्यान वित्तीय संसाधनों पर केंद्रित हो जाता है। इसका मतलब होगा घोषणा की भाषा में फेज़ आउट को फेज़ डाउन से बदलना। लेकिन अधिकांश देशों ने चरणबद्ध तरीके से इसे ख़त्म करना पसंद किया।भारत ने कथित तौर पर कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से संबंधित मुद्दों को उठाया, जिसके बारे में उसने कहा कि यह निकट भविष्य में किसी भी समय संभव नहीं होगा। नई दिल्ली चाहती थी कि चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किये जायें। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक समय और वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है क्योंकि ऐसे लक्ष्यों और विकासशील देशों के लोगों की आकांक्षाओं के बीच संघर्ष होता है, जो कार्बन पदचिह्न में योगदान देता है।वैश्विक स्तर पर कोयला पिछले 30 वर्षों से बिजली क्षेत्र पर हावी रहा है, और रिस्टैड एनर्जी के अनुसार 2024 में ईंधन की गिरावट की शुरुआत होगी क्योंकि सौर और पवन उत्पादन की लोकप्रियता बढ़ेगी। नवीकरणीय ऊर्जा से नयी बिजली आपूर्ति से बिजली की मांग में अधिक इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अगले साल से कोयले का विस्थापन शुरू हो जायेगा और आने वाले वर्षों में इसमें बढ़ोतरी होगी। परिणामस्वरूप, कोयले से चलने वाली बिजली 2024 में मामूली रूप से गिरकर 10,332 टेरावाट घंटे (टीडब्ल्यूएच) रह जायेगी, जो 2023 से 41 टीडब्ल्यूएच कम है। यह समुद्र में एक सापेक्ष गिरावट है, लेकिन यह आने वाली चीजों का संकेत है क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा अपने विकास पथ को जारी रखे हुए है।सख्त उत्सर्जन नीतियों और किफायती प्राकृतिक गैस आपूर्ति की प्रचुर उपलब्धता के संयोजन के कारण हाल के वर्षों में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कोयला क्षमता और समग्र उपयोग में निवेश में गिरावट आई है। फिर भी, एशिया, मुख्य रूप से चीन में स्थायी विकास, ने वैश्विक कोयला खपत को बढ़ाये रखा है। ऐसी स्थिति में कम कार्बन वाले बिजली स्रोतों के तेजी से विकास से कोयला धीरे-धीरे विस्थापित हो जायेगा, जिससे एक स्वच्छ, हल्की प्रणाली की शुरुआत होगी, जबकि एशिया में नयी क्षमता में निवेश अगले कुछ वर्षों में जारी रहेगा।

ुचुर कोयला भंडार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए ऊर्जा आपूर्ति को शीघ्रता से बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, एशिया दुनिया की तीन-चौथाई से अधिक कोयला बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। क्षेत्र में कोयला उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है, लेकिन पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच नयी परियोजनाओं की गति धीमी हो रही है। चीन, जर्मनी और अमेरिका जैसे दुनिया भर के देश जो कोयले पर अत्यधिक निर्भर हैं, कोयले को आसानी से विस्थापित करने के लिए काफी तेजी से और अनुकूल अर्थव्यवस्था के साथ नवीकरणीय क्षमता विकसित कर रहे हैं।यूरोप और उत्तरी अमेरिका व्यवस्थित रूप से कोयला उत्पादन को प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों से बदल रहे हैं,

जिससे 1990 के बाद से कोयला बिजली क्षमता 200 गीगावॉट से अधिक कम हो गई है। यूरोप की गिरावट मुख्य रूप से सख्त उत्सर्जन नीतियों से प्रेरित है, जबकि उत्तरी अमेरिका ने मुख्य रूप से कोयला उत्पादन को गैस से बदल दिया है। प्रचुर क्षेत्रीय उत्पादन के कारण बिजली की कीमतें कम हो गई हैं।एशिया ने पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक में 40 गीगावॉट से अधिक नयी कोयला क्षमता जोड़ी है और अगले वर्ष 52 गीगावॉट जुड़ने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में, एशिया 2024 में अर्जेंटीना की कुल स्थापित क्षमता से अधिक कोयला क्षमता जोड़ेगा। इस नयी क्षमता का अधिकांश हिस्सा चीन में है, इसके बाद भारत और इंडोनेशिया का स्थान है। यह वृद्धि 2027 तक जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि धीमी गति से, जिसके बाद कोयला बिजली संयंत्रों में गिरावट शुरू हो जायेगी।

संपादकीय

धुएं और नारों पर मौन मोदी

बुधवार को भारत के नये संसद भवन में घुसकर धुंआ फैलाने और बाहर नारेबाजी करने के पीछे जो लोग हैं, उनमें से चार को पकड़ लिया गया है तथा कुछ की तलाश जारी है। इनसे पूछताछ से मुख्यत- जो बात सामने आई है, उससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि उनका मकसद कोई बड़ी घटना को अंजाम देना नहीं था, वरन जनता की कतिपय समस्याओं की ओर देश की सबसे बड़ी पंचायत का ध्यान आकृष्ट करना था। यह तो माना जा सकता है कि युवाओं द्वारा अपनी बात को थोड़ा सनसनीखेज तरीके से ज़रूर उठाया गया है, लेकिन इसके बरक्स दो बातें सामने आई हैं-पहली तो यह कि करोड़ों रुपयों से निर्मित नये संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत लचर है; और दूसरी बात है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हमेशा की भांति चुप्पी। इस हादसे ने साबित कर दिया है कि देश के साथ बड़ी से बड़ी बात हो जाये, मोदी अपना मौन व्रत कतई नहीं तोड़ेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं वरन एक हद तक शर्मनाक भी है।नया संसद भवन मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। देश में जब कोविड-19 का भीषण प्रकोप था तथा देश को महामारी से लड़ने के लिये बड़ी धन राशि की आवश्यकता थी, तब इसका निर्माण किया गया था। मोदी खुद इसकी प्रगति देखने आते रहते थे। उस समय इस बात का यह कहकर विरोध हुआ था कि पुराने संसद भवन के रहते, वह भी ठीक-ठाक हालत में होने के बावजूद इस नये भवन को बनवाना एक बड़ी फिजूलखर्ची है। बाद में यह बात साफ होती चली गई कि इसका उद्देश्य पुराने भवन के साथ नत्थी देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को मिटाना है।

खासकर, उस भवन पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जो सुखद छांव बनी हुई थी, वह मोदी को उनकी विचारधारा के कारण कड़ी धूप सी प्रतीत होती थी। इसी क्रम में उन्होंने नेहरू के शासकीय निवास तीन मूर्ति भवन को भी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलवा दिया। नेहरू विरोध के अलावा मोदी नये भवन का 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये भी इस्तेमाल करना चाहते हैं। बहरहाल, इस भवन के बारे में दावा किया गया था कि इसकी सुरक्षा बड़ी पुख्ता है। विशेषकर 13 दिसम्बर, 2001 को पुराने भवन पर हुए आतंकी हमले के मेनज़र इसकी ज़रूरत भी थी।इस भवन के उद्घाटन के अवसर पर बुलाये गये विशेष सत्र को छोड़ दें तो यही इसका नियमित सत्र (शीतकालीन) है, जो अब भी जारी है। पहले ही सत्र में, वह भी ठीक उसी दिन- 22 वर्षों के बाद इसकी सुरक्षा व्यवस्था की पोल कुछ निहत्थे युवाओं ने खोलकर रख दी। उनके कृत्य को कतई समर्थन नहीं मिल रहा है परन्तु इसमें कोई शक नहीं रह जाना चाहिये कि इस भवन की सजावट पर तो खूब ध्यान दिया गया है, लेकिन सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता पूरी तरह से नज़रंदाज़ की गई है। दो दशक पूर्व हुए हमले में तो जांबाज़ सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवादियों को संसद भवन में घुसने तक नहीं दिया था। अबकी एक नहीं दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन के बीचों-बीच कूद पड़ते हैं और बाकायदा एक से दूसरी बेंचों को फलांगने में भी सफल हो जाते हैं।नमें से एक युवक ने अपने जूते में छिपाकर लाये केन स्प्रे से पीला धुंआ भी फैलाया। यानी वे कोई हथियार भी ला सकते थे। वे अगर नहीं लाये तो इसका जवाब बाहर उनके द्वारा लगाये गये नारों में छिपा है। बताया जाता है कि उनके साथ दो लोग और थे परन्तु वे दर्शक दीर्घा से ही अफरा-तफरी का फायदा लेकर निकल गये। महत्वपूर्ण सदन के भीतर का धुंआ ही नहीं है वरन गिरफ्तारी के बाद उनके द्वारा लगाये गये नारे भी हैं, जो उनके उद्देश्य को बतलाता है। वे सामान्यजन हैं जो बेरोजगारी, मणिपुर, तानाशाही से सम्बन्धित नारे लगा रहे थे।सवाल यह है कि इस घटना के लिये जिम्मेदार कौन है? इस कांड के ठीक एक दिन पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगभग 75 साल पहले हुए देश के विभाजन और कश्मीर के मामले में नेहरू की गलतियां गिना रहे थे, जबकि सामने हुई घटना की जिम्मेदारी से वे बचते फिर रहे हैं। सिर्फ वे नहीं, मोदी भी। पूरी सरकार ही मुंह छिपा रही है। मोदीजी ने इस मामले पर अब तक कुछ नहीं कहा है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह भी जवाबदेही निभाने में निराश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस उनके अधीन है और सुरक्षा का जिम्मा उनके ऊपर है। इस मामले पर जब विपक्ष के लोगों ने संसद में सवाल उठाए तो उनके जवाब देने की जगह सांसदों का मुंह जबरदस्ती बंद कराया गया है। राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष ने 28 नोटिस इस मुद्दे पर बहस के लिए दिए थे। इसी तरह लोकसभा में भी एक दर्जन से ज्यादा इंडिया के सांसदों ने नोटिस देकर इस पर चर्चा की मांग की थी। लेकिन दोनों सदनों में किसी भी नोटिस पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी। और सवाल पूछने के जुर्म में 15 सांसदों को निलंबित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले तेलंगाना में मोदी की प्रचार सभा में एक लड़की टावर पर चढ़ गई थी। वह भी बेरोजगारी से त्रस्त थी। रिश्तेदार बतलाते हैं कि वे देश की मूलभूत समस्याओं से व्यथित थे। नीलम ने तो कई परीक्षाएं पास की हैं पर उसके पास नौकरी नहीं है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

अंततः वह घड़ी भी बहुत करीब आ पहुंची है, जिसका इंतजार हिंदू धर्मावलंबी पिछले लगभग 500 वर्षों से कर रहे हैं। 5 अगस्त 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक मोहन जी भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परम पूजनीय सर संघचालक मोहन जी भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पूरे भारत में वातावरण राममय होने जा रहा है। अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। हाल ही में सम्पन्न दीपावली त्यौहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50,000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा।

अयोध्या में होटल और रिजोर्ट का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमे कई फाइव स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेल्वे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं के विकसित होने के पश्चात अयोध्या में बढ़ने वाले धार्मिक पर्यटन से लाखों की संख्या में नए रोजगार के अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटकों के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अपार आर्थिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल, यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार के पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार के छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या के आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अपने आप में अयोध्या आस्था के केंद्र के साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि प्रभु श्रीराम तो अपने मंदिर में बिराजेंगे ही, साथ ही इस क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों को भी आर्थिक रूप से अत्यधिक लाभ होने जा रहा है। अयोध्या में पूरे विश्व से पर्यटकों के आने से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख ही लग जाएंगे।

भारत में अयोध्या की तर्ज पर ही अन्य धार्मिक स्थल भी विकसित किए गए हैं। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर विकसित किया जा चुका है। गुजरात में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। पावागढ़ गुजरात में ही मां कालका मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम प्रोजेक्ट पर भी कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उज्जैन में महाकाल कोरिडोर का निर्माण हुआ है। असम में माता कामाख्या कोरिडोर बन रहा है। पूरे भारत में ही धार्मिक स्थलों को विकसित कर देश में धार्मिक एवं क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत के पर्यटन मंत्रालय के एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2021-22 में भारत में पर्यटन गतिविधियों से 1.34 लाख करोड़ रुपए की आय हुई है, जबकि वर्ष 2020-21 में धार्मिक पर्यटन से 65,000 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस प्रकार भारत में विकसित किए विभिन्न धार्मिक स्थलों के कारण पर्यटन की गतिविधियों से आय मात्र एक वर्ष के अंतराल में ही दोगुनी से भी अधिक हो गई है।

सेंटर फोर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलान्थ्रोपी के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में विभिन्न मंदिरों को मिलने वाला घरेलू दान 14 प्रतिशत बढ़कर 27,000 करोड़ रुपए का हो गया है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 23,700 करोड़ रुपए का दान विभिन्न मंदिरों को प्राप्त हुआ था। विशेष रूप से वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर के विकसित किए जाने के बाद से काशी विश्वनाथ मंदिर को मिलने वाला दान 500 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2021-22 में काशी विश्वनाथ मंदिर को 100 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ था। साथ ही, इस दौरान वाराणसी में धार्मिक पर्यटन भी 1000 प्रतिशत बढ़ गया है। इसी प्रकार, उज्जैन में महाकाल कोरिडोर के विकसित होने के पश्चात बाबा महाकाल मंदिर में धार्मिक पर्यटन 1800 प्रतिशत बढ़ा है। इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन बढ़ने से चूंकि व्यापार बढ़ रहा है अतः इन क्षेत्रों में रोजगार के हजारों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। अब तो वृंदावन में भी बांके बिहारी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं का बांके बिहारी मंदिर में पहुंचना आसान हो सके। विशेष रूप से प्रभु श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या में केवल एक भव्य मंदिर बनाने की परिकल्पना नहीं की गई है बल्कि भव्य मंदिर के साथ साथ विशाल पुस्तकालय, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, वेदपाठशाला, यज्ञशाला, सत्संग भवन, धर्मशाला, प्रदर्शनी, आदि को भी विकसित किया जा रहा है, ताकि आज की युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम के काल पर अनुसंधान करने में आसानी हो। प्रभु श्रीराम के मंदिर को राष्ट्र मंदिर भी कहा जा रहा है क्योंकि यहां आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान कराएगा। पूरे विश्व में यह मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए आस्था का केंद्र बनने जा रहा है अतः यहां पूरे विश्व से सैलानियों का लगातार आना बना रहेगा। यह मंदिर पूरे विश्व में हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए एक महत्वपूर्ण आस्था का केंद्र बनने के साथ साथ पर्यटन के एक विशेष केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है, इसलिए प्रभु श्रीराम की कृपा से करोड़ों व्यक्तियों की मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

क्यों देंखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

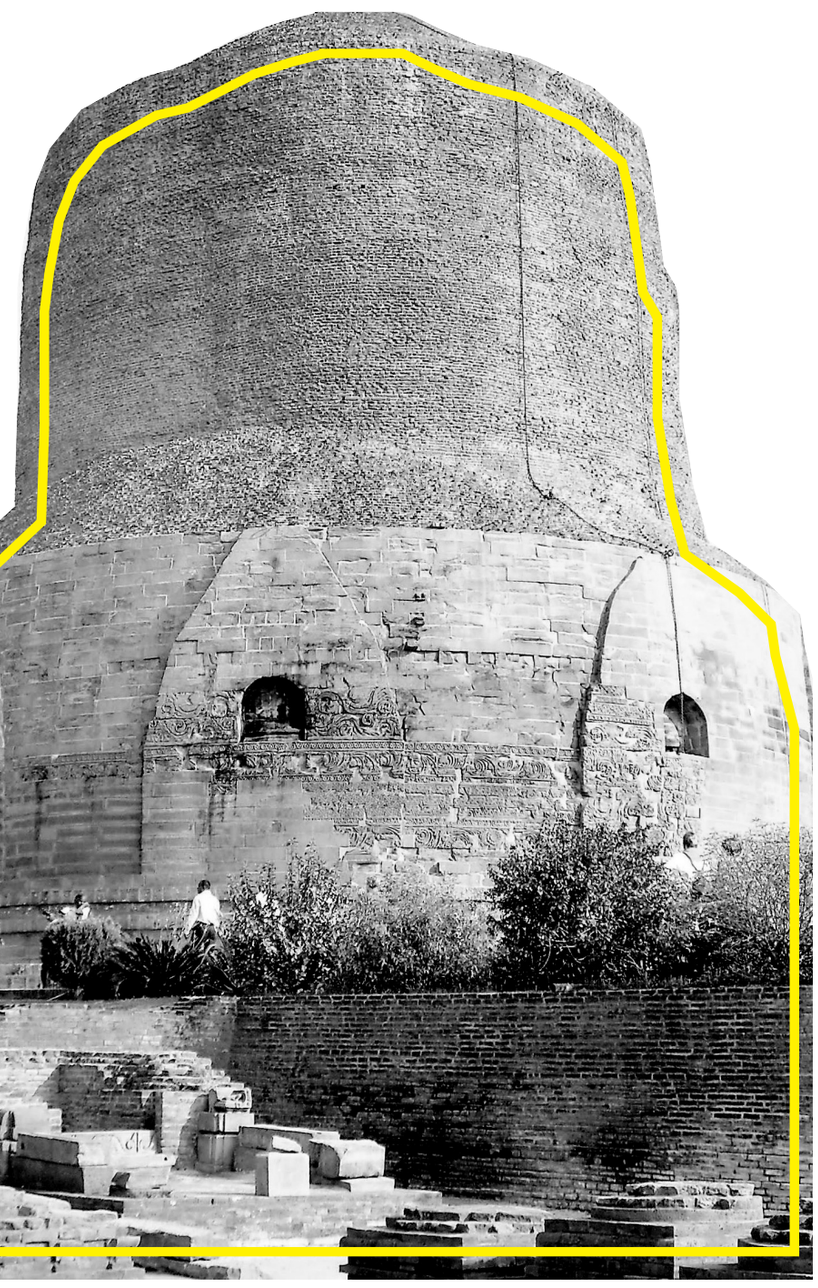

जानकारी

सर्दियों के दौरान छोटे बच्चों के बालों का रखें ख्याल

ताकि न हो जुंए, डैंड्रफ और ड्राईनेस की समस्या

आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बच्चों को बालों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। बालों में जुंए, रूसी (डैंड्रफ) और रूखेपन के कारण बाल खराब हो जाते हैं। इन समस्याओं का मुख्य कारण ये है कि ज्यादातर लोग ठंड के मौसम में अपने बच्चों को रोजाना नहीं नहलाते हैं, जबकि खेलने-कूदने के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा बैक्टीरिया और गंदगी के संपर्क में आते हैं। कई बार बालों की ये छोटी-छोटी समस्याएं त्वचा रोग का कारण बनती हैं और स्कैल्प खराब हो जाता है। बचपन में ही अगर बालों की समस्या हो जाए, तो आगे चलकर बच्चों को बाल झड़ने की समस्या, बालों के कमजोर होने की समस्या आदि काफी बढ़ जाती हैं। इसलिए अपने बच्चे को ऊपर बताई गई समस्याओं से बचाने के लिए और उनके बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको सर्दियों के दौरान कुछ खास बेबी हेयर केयर टिप्स का ध्यान रखना चाहिए।

हफ्ते में 2-3 बार करें शैंपू

अगर आपका बच्चा 6-7 महीने से बड़ा है, तो आप सर्दियों के मौसम में उसे गुनगुने पानी से रोजाना नहला सकती हैं। इसके अलावा 2 साल से बड़ी उम्र के बच्चे, जो आमतौर पर अपने पैरों से चलकर खेलने-कूदने लगते हैं, वो अपने बालों और शरीर को बहुत जल्दी गंदा करते हैं। ऐसे में बालों में जमा धूल-मिट्टी और प्रदूषण कणों को बाहर निकालने के लिए आपको बच्चे को नहलाते समय सप्ताह में कम से कम 2-3 बार उन्हें शैंपू करना चाहिए। शैंपू करने से बालों की गंदगी अच्छी तरह साफ हो जाती है।

अच्छी तरह देखकर करें शैंपू का चुनाव

बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय आपको विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल छोटे बच्चों की स्किन बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए अगर आप बड़ों लोगों वाले शैंपू बच्चों के सिर पर लगा देंगे, तो उनमें मौजूद केमिकल बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय हमेशा इस बात का ध्यान दें कि उसे बनाने में पैराबीन्स, सल्फेट्स और थैलेट्स का प्रयोग न किया गया हो, क्योंकि ये तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। इसकी जानकारी के लिए आपको शैंपू या किसी भी अन्य प्रोडक्ट के पीछे लिखे इंग्रीडिएंट्स वाले सेक्शन को देखना चाहिए। बच्चों के लिए बाजार में अलग से बेबी शैंपू आते हैं, जिनमें हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल कम होता है, जिससे कि बच्चें की त्वचा ड्राई न हो।

सॉफ्ट कंघी/ब्रश का प्रयोग करें

बच्चों के बालों को संवारने के लिए आपको हमेशा मुलायम कंघी और ब्रश का प्रयोग करना चाहिए। दरअसल बच्चे के सिर की त्वचा बाकी जगहों की अपेक्षा ज्यादा मुलायम और पतली होती है। इसलिए अगर आप हार्ड ब्रश या कंघी का प्रयोग करेंगे, तो हो सकता है बच्चे के सिर पर हल्की-फुल्की खरोंच लग जाए, जिसे आप आसानी से न देख पाएं। इस तरह की छोटी-मोटी चोट भी की बार इंफेक्शन और रोगों का कारण बनती है। इसलिए बच्चों के लिए हमेशा सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें।

बालों को मॉइश्चराइज करना है बेहद जरूरी

बड़ों लोगों की ही तरह बच्चों के बालों को भी मॉइश्चराइज रखना बेहद जरूरी है। चूंकि बिना सही मॉइश्चराइजेशन के स्कैप्ल ड्राई हो जाता है और इस वजह से कई तरह के त्वचा से संबंधित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बच्चों के बालों को मॉइश्चराइज करने के लिए उनके बालों में तेल की मालिश करना सबसे अच्छा होता है। तेल की मालिश करने से बच्चों के बाल भी घने होते हैं और खोपड़ी में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है। इसके अलावा तेल में मौजूद पोषक तत्व बालों को स्वस्थ और मुलायम रखते हैं। बच्चों के सिर की मालिश आप नारियल के तेल, सरसों के तेल, बादाम के तेल, तिल के तेल और ऑलिव ऑयल आदि से कर सकते हैं।

5 संकेत मिलें तो तुरंत कराएं आंखों की जांच देर करना हो सकता है खतरनाक

आंखें हमारी जिंदगी के लिए जरूरी शर्त नहीं हैं, मगर शायद जिंदगी को अच्छी तरह समझने के लिए आंखों का अपना बड़ा महत्व है। बनावट के आधार पर आंखों को शरीर का सबसे संवेदनशील अंग माना जाता है। इसलिए आंखों की छोटी से छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना कई बार बहुत खतरनाक भी हो सकता है। दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या लाखों में हैं, जो जन्म से अंधे नहीं थे, मगर 40-50 की उम्र आते-आते उनकी आंखों के देखने की क्षमता चली गई। दरअसल शरीर से जुड़ी किसी भी समस्या को अगर शुरुआती अवस्था में पहचान लिया जाए और सही इलाज किया जाए, तो ठीक किया जा सकता है। मगर ऐसी बहुत सी बीमारियां और समस्याएं हैं, जो वक्त गुजरने के बाद पता चलती हैं और तब तक मेडिकल साइंस भी आपकी मदद नहीं कर पाता है।

आंखें भी ऐसा ही एक अंग हैं, जो यदि एक बार खराब हो जाएं, तो इन्हें दोबारा ठीक करना बहुत मुश्किल है। फिर एक ही विकल्प बचता है और वो है आई ट्रांसप्लांट, जिसके लिए डोनर मिलना और खर्चे उठाना आसान बात नहीं है। इसीलिए आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आपको तुरंत अपने आंखों की जांच करा लेनी चाहिए।

धुंधला दिखने पर

वैसे तो आंखों का धुंधलापन बिल्कुल स्पष्ट संकेत है कि आपको अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। मगर कुछ लोग धुंधलेपन को शरीर की कमजोरी से जोड़कर देखते हैं, इसलिए वे इंतजार करते रहते हैं और दूसरे उपाय अपनाते रहते हैं। यह बात भी सही है कि शारीरिक कमजोरी और एनर्जी की कमी, आंखों के धुंधलेपन का कारण बन सकती है। मगर ये समस्या किसी बीमारी का भी संकेत हो सकती है, जो वक्त के साथ आपकी आंखों की रेटिना को डैमेज कर सकती है। इसलिए अगर आपको कई दिन या सप्ताह तक लगातार या फिर कुछ-कुछ दिनों में धुंधला दिखाई देने की समस्या होती है, तो आपको अपनी आंखों की जांच जरूर करा लेनी चाहिए।

लगातार सिर दर्द की समस्या

सिर दर्द आपको भले ही सिर और माथे के हिस्से में महसूस होता है, मगर इसका कारण आपकी आंखों की समस्या भी हो सकती है। जब आपकी आंखों में किसी तरह की कोई परेशानी होती है, तो वस्तुओं पर फोकस केंद्रित करने वाली मसल्स (कोशिकाओं) पर अनावश्यक दबाव बढ़ जाता है, जिसके कारण उनमें दर्द की समस्या हो सकती है। ये कोशिकाएं सीधे आपके मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, इसलिए आपको सिर में दर्द महसूस होता है। अक्सर ऐसे लोगों को सिर दर्द की समस्या तब होती है, जब वो बहुत अधिक ध्यान लगाकर काम करने की कोशिश करते हैं या फिर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल या अन्य स्क्रीन वाले गैजेट्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इसलिए लगातार सिर दर्द की समस्या होने पर भी आपको आंखों की जांच करानी चाहिए।

आंखें पर दबाव महसूस हो

अगर आपको कुछ दिनों से ऐसा महसूस होने लगा है जैसे कि कोई अदृश्य हाथ आपकी आंखों को दबा रहे हैं, तो ये आंखों की ही एक कॉमन बीमारी 'ग्लूकोमा' का संकेत हो सकता है। ग्लूकोमा की शुरुआत होने पर व्यक्ति को अपनी आंखों की पुतलियों पर दबाव महसूस होता है। मगर ऐसा होने पर आपको घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ग्लूकोमा का इलाज आसानी से उपलब्ध है। हां, अगर आप इसे लंबे समय तक नजरअंदाज करेंगे, तो ग्लूकोमा आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ऐसे लक्षण महसूस होने पर बिना देरी किए आई-स्पेशलिस्ट से मिलें और आंखों की जांच कराएं।

रात में साफ न दिखाई देना या रतौंधी

आमतौर पर बहुत अधिक अंधेरा होने पर सामान्य आंखों के लिए भी देखना मुश्किल होता है, मगर यदि आपको शाम के समय यानी हल्की रोशनी होने के बावजूद चीजें साफ-साफ न दिखाई दें, तो भी ये आंखों से जुड़े रोग का संकेत है। इस रोग को रतौंधी भी कहते हैं, जो 'रात के अंधेपन' का शार्ट फॉर्म है शायद। आंखों में ऐसी समस्या कई कारणों से हो सकती है, जैसे- शरीर में विटामिन ए की कमी और मोतियाबिंद आदि। इसलिए आपको ऐसे लक्षण दिखने पर भी तुरंत आंखों के डॉक्टर से मिलना चाहिए।

रोशनी में चकाचौंध लगना या सिर दर्द होना

अचानक आंखों पर तेज रोशनी पड़ने पर आंखों का बंद होना स्वाभाविक है। मगर सामान्य स्थिति में कुछ सेकंड्स के बाद आपको धीरे-धीरे दिखना शुरू हो जाता है, जबकि लाइट सेंसिटिविटी से जूझ रहे लोगों के लिए तेज रोशनी को बर्दाश्त करना बिल्कुल मुश्किल होता है। आंखों के विशेषज्ञ इसे फोटोफोबिया कहते हैं। ऐसे लोगों को तेज लाइट में जाते ही आंखें बंद करनी पड़ती हैं और कई बार उन्हें चक्कर आने, सिर दर्द होने, उल्टी जैसे लक्षण भी शुरू हो जाते हैं। लाइट सेंसिटिविटी का कारण आंखों का कोई इंफेक्शन या कोई रोग हो सकता है, इसलिए बिना देर किए डॉक्टर से जांच कराएं और खतरे से दूर रहें।

सेहत

सर्दियों में गुड़ के साथ दूध लेने के बेहतरीन फायदे

सर्दियों से बचने के लिए हम कितने ही जैकेट, स्वेटर क्यों न पहन लें? लेकिन जब तक हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहेगी, तब तक हम छोटी-छोटी बीमारियों का शिकार होते रहेंगे। ऐसे में गुड़ के साथ दूध का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ सर्दियों में होने वाली सर्दी-जुकाम, कफ जैसी कई परेशानियों को भी दूर करता है। आइए, जानते हैं गुड़ के साथ दूध पीने के फायदे-

दूध और गुड़ में मौजूद तत्व

दूध में अधिक मात्रा में विटामिन ए, विटामिन बी और डी के अलावा कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड भी पाया जाता है। वहीं दूसरी ओर गुड़ में अधिक मात्रा में सुक्रोज, ग्लूकोज, खनिज तरल और पानी कुछ मात्रा में पाया जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा और कई तत्व पाएं जाते हैं।

नेचुरल ब्लड प्यूरीफायर

गुड़ में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को साफ कर देता है, इसलिए रोजाना गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके शरीर से ऐसी अशुद्धियां निकल जाती है, जिससे आपको कोई बीमारी नहीं होगी और आप निरोग महसूस करेंगे।

मोटापे को करें कंट्रोल

माना जाता है कि अगर आप दूध के साथ चीनी का इस्तेमाल करते है, तो इसकी जगह आप गुड़ का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपका वजन कंट्रोल में रहेगा, जिससे आप मोटापे का शिकार नहीं होंगे।

पेट संबंधी समस्या को रखे ठीक

अगर आपको पाचन संबधी कोई भी समस्या है, तो गर्म-गर्म दूध और गुड़ का सेवन करें, ऐसा करने से आपको पेट संबंधी हर समस्या से निजात मिल जाएगी।

जोड़ों के दर्द को करें दूर

गुड़ खाने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है, अगर रोजाना गुड़ का एक छोटा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाया जाए, तो जोड़ों में मजबूती आएगी और दर्द भी दूर हो जाएगा। इससे आपकी खूबसूरती को बढ़ेगी। गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपकी त्वचा मुलायम होने के साथ-साथ त्वचा संबंधी समस्या न होगी। इसके साथ ही इसका सेवन करने से आपके बाल भी हेल्दी रहेंगे।

पीरियड्स में दर्द को करे ठीक

कहा जाता है कि अगर आपको कही दर्द हो, तो गर्म दूध पीने से तुरंत आराम मिल जाता है और महिलाओं को पीरियड के समय का दर्द हो रहा हो तो गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से आपको इससे निजात मिल सकती है। आप फिर पीरियड शुरू होने के 1 हफ्ते पहले 1 चम्मच गुड़ का सेवन रोजाना करें। इससे आपको दर्द से निजात मिलेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2679

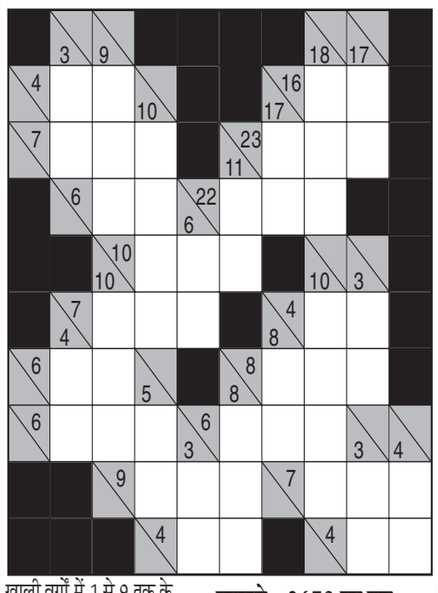

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

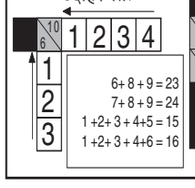

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2678 का हल

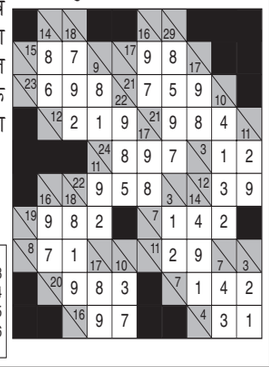

हंसी के फव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 2679

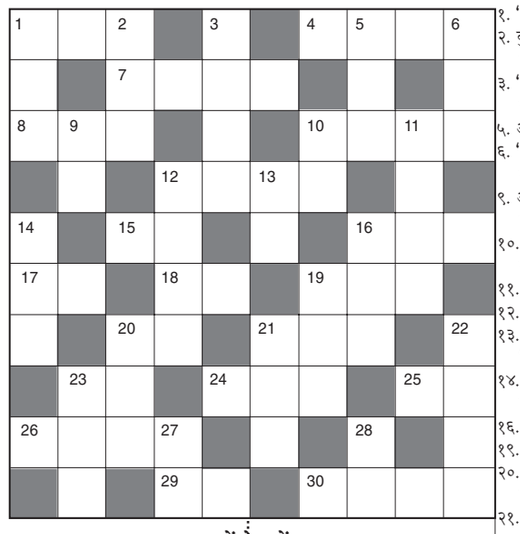

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2678

बा	रू	द		र		का	ला	षा	नी
बु		श	व	ण	श	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		ह्म	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -2679

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	1
		2	1			3	4	9
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2679 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली -2679

बाएँ से दाएँ

1. दयालु,उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2678 का हल

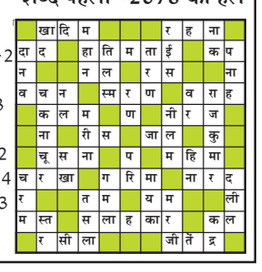

यादव ने विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को किया नमन

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज विजय दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल के शौर्य स्मारक में शहीदों को नमन किया। श्री यादव सुबह शौर्य स्मारक स्थित शौर्य स्तंभ पहुंचे और वहां पुष्प चक्र अर्पित करते हुए अमर शहीदों को नमन किया एवं उनके शौर्य, अदम्य साहस और बलिदान का स्मरण किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक विजय शाह भी उपस्थित रहे।

कश्मीर में कुख्यात ड्रग तस्करों की लाखों की संपत्ति कुर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले में कुख्यात ड्रग तस्करों की लाखों की संपत्ति कुर्क की है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, उनकी टीम ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत इस जिले के ग्राम देगवार टेरवान के निवासी शकर दीन और मोहम्मद यासीन की कुर्क की गयी संपत्तियों में से 45.86 लाख रुपये से अधिक की कीमत का एक मंजिला आवासीय घर, करीब 33 लाख रुपये की एक जेसीबी एक्सकेवेटर और करीब नौ लाख रुपये का एक ट्रैक्टर शामिल है। उन्होंने कहा कि पुंछ पुलिस द्वारा की गई जांच और पूछताछ के दौरान आवासीय घर तथा वाहनों की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के रूप में की गई थी। विशेष रूप से, पिछले महीने मेंढर के कोटियान गांव के कुख्यात ड्रग तस्करों महमूद हुसैन, जफर इकबाल और जाविद इकबाल का दो मंजिला आवास और मोटर वाहनों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुर्क किया गया है।

उद्योगपति रतन टाटा की सुरक्षा के सम्बन्ध में गुमनाम फोन करने वाले को सिजोफ्रेनिया रोग

मुंबई। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा की सुरक्षा से संबंधित गुमनाम फोन करने वाला शख्स सिज़ोफ्रेनिया नामक बीमारी से ग्रस्त पाया गया है। इसी वजह से पुलिस ने उस पर कानूनी कार्रवाई नहीं की है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि फोन करने वाले ने पुलिस कंट्रोल रूम में रतन टाटा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा था, ऐसा न करने पर शख्स ने चेतावनी दी थी कि उद्योग जगत के इस दिग्गज का हश्र टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री जैसा ही होगा। गौरतलब है कि साइरस मिस्त्री की 4 सितंबर, 2022 को एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। फोन कॉल मिलते ही मुंबई पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई और एक विशेष टीम को रतन टाटा की निजी सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई जबकि दूसरी टीम को कॉल करने वाले के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा गया।

मिट्टी में मिली माफिया मुख्तार की 'सल्तनत'

लखनऊ। यूपी को माफिया मुक्त प्रदेश बनाने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प लगभग पूरा हो चुका है। कभी पूरे उत्तर भारत को अपने माफिया नेक्सस से आतंकित रखने वाले मुख्तार अंसारी की पूरी सल्तनत मिट्टी में मिल चुकी है। योगीराज में माफिया के खिलाफ ना सिर्फ अदालतों में प्रभावी पैरवी चल रही है और एक के बाद एक उसके जघन्य अपराधों की सजा मिल रही है, बल्कि कोर्ट से बाहर भी मुख्तार के पूरे माफिया साम्राज्य को तहस नहस करने की कार्रवाइयां लगातार चल रही हैं। इसी का नतीजा है कि मुख्तार अंसारी द्वारा अवैध तरीकों से बनाई गई 605 करोड़ से अधिक की संपत्ति को योगी सरकार ने जब्त और ध्वस्त करा दिया है। बता दें कि योगी सरकार द्वारा मुख्तार अंसारी के खिलाफ प्रभावी पैरवी का ही नतीजा है कि बीते 15 महीने में माफिया को 7 मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। इसमें उम्रकैद जैसी अधिकतम सजा भी शामिल है। मुख्तार के खिलाफ कुल 65 मामले दर्ज हैं। वहीं माफिया के नेक्सस को तोड़ने के लिए उसके पूरे गैंग के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के बीच शनिवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार, आर्थिक, सांस्कृतिक और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के दौरान ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक का भारत में स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत में आपका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। आज ओमान-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि मिला है। मैं आपका स्वागत करता हूं। मोदी ने कहा कि एक अतिथि

26 साल बाद ओमान के सुल्तान राजकीय यात्रा पर भारत आए हैं और मुझे भारत के लोगों की ओर से आपके स्वागत का यह अवसर देश के रूप में ओमान ने भारत की जी20 अध्यक्षता की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज हम एक नया भारत-ओमान संयुक्त दृष्टिकोण, भविष्य के लिए साझेदारी अपना रहे हैं। इस संयुक्त दृष्टिकोण में दस अलग-अलग क्षेत्रों में ठोस कार्य बिंदुओं पर सहमति बनी है। मुझे विश्वास है कि संयुक्त विजन हमारी साझेदारी को एक नया और आधुनिक आकार देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर चर्चा चल रही है और चर्चा के दो दौर सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी है। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसा करेंगे। जल्द ही इस समझौते पर हस्ताक्षर करने में सक्षम होंगे जो हमारे आर्थिक सहयोग में एक नया आयाम जोड़ेगा।

सीएम योगी ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक, बोले- सर्द रातों में कोई भी खुले में न सोए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि सर्द रातों में कोई भी खुले आसमान तले न सोने पाए। जो भी सड़क किनारे खुले में सोता मिले, उसे रैन बसेरों में लाया जाए। रैन बसेरों में ठहरने के बेहतरीन इंतजाम होने चाहिए। मकर सक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले ऐतिहासिक खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी उनकी आवश्यकता के अनुसार रैन बसेरों में व्यवस्थित किया जाए। सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए।सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ शीतकाल में जरूरी नागरिक सुविधाओं की स्थिति और खिचड़ी मेला की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रात में पुलिस पैट्रोलिंग बहुत जरूरी है। पैट्रोलिंग के दौरान यदि कोई व्यक्ति खुले में सोते मिले तो पुलिसकर्मी उसे सम्मानपूर्वक निकटतम रैन बसेरे तक पहुंचा दें। कोई भी बेसहारा या जरूरतमंद सड़कों पर ठिठुरता न दिखाई दे।

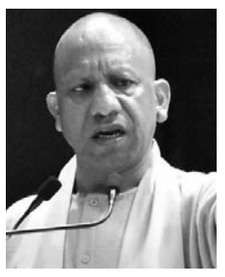

प्रधानमंत्री 17-18 दिसंबर को सूरत और वाराणसी का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17-18 दिसंबर को गुजरात के सूरत और उत्तर प्रदेश के वाराणसी का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री 17 दिसंबर को सुबह करीब 10:45 बजे सूरत एयरपोर्ट पर नई इंटीग्रेटेड टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। टर्मिनल भवन पीक आवर्स के दौरान 1200 घरेलू यात्रियों और 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभालने के लिए सुसज्जित है। प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:15 बजे सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन करेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय हीरे और आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक केंद्र होगा। यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र

होगा। पीएमओ के अनुसार इसके बाद प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाएंगे और करीब साढ़े तीन बजे कटिंग मेमोरियल स्कूल मैदान में विकसित भारत संकल्प यात्रा में हिस्सा लेंगे। वहां प्रधानमंत्री पीएम आवास, पीएम स्वनिधि, पीएम उज्ज्वला जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप प्रधानमंत्री शाम करीब 5:15 बजे नमो घाट पर काशी तमिल संगमम 2023 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कन्याकुमारी-वाराणसी तमिल संगमम ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री 18 दिसंबर को सुबह करीब 10:45 बजे वाराणसी के उमराहा में नवनिर्मित स्वर्वेद महामंदिर जाएंगे, जिसके बाद करीब 11:30 बजे एक सार्वजनिक समारोह में इसका उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर वह महामंदिर के भक्तों को भी संबोधित करेंगे।

देश की अदालतों में 5 करोड़ से ज्यादा तो सुप्रीम कोर्ट में करीब 80 हजार केस लंबित

संसद में कानून मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। लोकसभा को सूचित किया गया कि देश की विभिन्न अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। साथ ही, बताया गया कि उनमें से 80,000 मामले सुप्रीम कोर्ट में हैं। इसके साथ ही कानून मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में भी लंबित मामलों के भी आंकड़े बताए हैं।

एक लिखित उत्तर में, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 1 दिसंबर तक 5,08,85,856 लंबित मामलों में से 61 लाख से अधिक 25 उच्च न्यायालयों में थे। लोकसभा में जानकारी देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि देश की विभिन्न अदालतों में लंबित 5 करोड़ से अधिक मामलों में सभी 25 उच्च न्यायालयों में लंबित 61 लाख से अधिक मामले शामिल हैं। सुप्रीम

कोर्ट में भी लंबित कुल 80 हजार मामले शामिल हैं। कानून मंत्री मेघवाल ने बताया है कि देश के जिला और अधीनस्थ अदालतों में 4.46 करोड़ से अधिक मामले लंबित पड़े हैं।

न्यायाधीशों की नियुक्ति का आंकड़ा

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय न्यायपालिका की कुल स्वीकृत संख्या 26,568 न्यायाधीशों की है। जहां सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है, वहीं हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 1,114 है।

जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 25,420 है। केंद्रीय कानून मंत्री ने बताया कि हाई कोर्ट कॉलेजियम द्वारा भेजे गए न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए 123 प्रस्ताव आए हैं, जिनमें से 12 दिसंबर तक 81 प्रस्ताव प्रक्रिया के विभिन्न चरण में हैं। वहीं, शेष 42 प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के विचाराधीन हैं।

'देश में रिपोर्ट कार्ड की राजनीति' हिमाचल में जेपी नड्डा बोले- कांग्रेस की गारंटी, कभी नहीं पूरी होने की गारंटी

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल के दौरे पर हैं। बिलासपुर पहुंचने पर उनके स्वागत में काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। तीन राज्यों में बड़ी जीत के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का हिमाचल का पहला दौरा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा राजनीति की संस्कृति बदल गई है झूठ बोलकर वोट नहीं मिलता काम करके वोट मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा वह दिया और जो नहीं कहा वह भी दिया। आज की राजनीति रिपोर्ट कार्ड की राजनीति है, जो रिपोर्ट कार्ड रखेगा वह जीत हासिल करेगा।नड्डा ने कहा की देश को पीएम मोदी की गारंटी पर विश्वास है, गारंटी पूरी करने की गारंटी है तो वो मोदी की

गारंटी है। जब भी चुनाव आते थे तो कांग्रेस पार्टी पहाड़ों पर चूना लगा देती थी और जब बारिश आती थी तो चुना साफ हो जाता था और फिर जनता को चूना लग जाता था। यह थी कांग्रेस की चुनावी रणनीति। चुनाव के समय पानी की पाइप सड़क किनारे रख देनी और वोट बटोर लेने और चुनाव खत्म होते ही वह पाइप आईपीएस को वापस भेज देना। नड्डा ने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए हर घर जल, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, 33त्न प्रतिशत महिला आरक्षण बिल के बारे में उल्लेख किया और कहा कि यह है बदलता भारत बदलते भारत की तस्वीर। नड्डा ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था की बात भी की। नड्डा ने कहा केंद्र सरकार ने हिमाचल को राहत के रूप में 1782 करोड़ दिए, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2500 करोड़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2700 करोड़ और अगर केंद्र राशियों को देखो तो 3378 करोड़ केंद्र से मिले है। उन्होंने कहा कि आपदा किसने बंदर बांट मत करो आपदा यह नहीं देखती की कौन कहा से है।

राजधानी में मुक्त कराए गए 16 बाल मजदूर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में मारे गए छापों में ढाबों व आटो के पुर्जे बेचने वाली दुकानों से 16 बच्चों को मुक्त कराया गया। स्थानीय अनुमंडलाधिकारी (एसडीएम) आशीष कुमार की अगुआई में छापों की यह कार्रवाई एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन जिसे 'बचपन बचाओ आंदोलन' के नाम से भी जाना जाता है और बाल विकास धारा के सहयोग से हुई। कार्रवाई में श्रम विभाग के अधिकारी तथा राजौरी गार्डन और हरि नगर थानों के प्रभारी भी शामिल थे। इस कार्रवाई में मुक्त कराया गए एक बाल मजदूर की उम्र महज 10 साल है। राजौरी गार्डन इलाके की एक दुकान से जब उसे मुक्त कराया गया तो वह डर से कांप रहा था और उसके मुंह से आवाज नहीं निकल रही थी। छापे में शामिल अफसरों और बीबीए की टीम के सदस्यों ने जब बच्चे को अच्छे खाने का लालच दिया तब कहीं जाकर उसका डर कुछ कम हुआ। खाने के बाद उसने बातचीत शुरू की और बताया कि वह आटो के कल पुर्जे बेचने वाली एक दुकान में पिछले साल भर से काम कर रहा था। बच्चे ने अपने पिता का नाम तो बताया पर उनका फोन नंबर या अपने गांव का नाम नहीं बता पाया।

कांग्रेस शुरू करेगी 'देश के लिए दान' अभियान

नई दिल्ली। कांग्रेस अपनी स्थापना के 138वें वर्ष पर लोगों से धन जुटाने के वास्ते 'देश के लिए दान' अभियान की शुरुआत करेगी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए कहा कि अभियान की शुरुआत सोमवार 18 दिसंबर को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे करेंगे और यह अभियान 10 दिन तक ऑनलाइन जारी रहेगा।उन्होंने कहा , 'हम 'देश के लिए दान' नाम से धन जुटाने के लिए एक अभियान शुरु कर रहे हैं, जिसे 18 दिसंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे आरम्भ करेंगे। कांग्रेस के 138 वर्ष पूरे होने पर हम देशवासियों से यह अनुरोध करते हैं कि 138 रुपए, 1,380 रुपए, 13,800 रुपए जैसी राशि पार्टी को मजबूत करने के लिए कांग्रेस के खाते में डालें ताकि हम बेहतर भारत के लिए काम कर सके। कांग्रेस नेताओं ने कहा 'पार्टी ने दानदाताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट बनाई है। इसके अलावा क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई,आरटीजीएस, एनएफटीई या कोड स्कैन करके भी दान दिया जा सकता है। दान देने वाला व्यक्ति भारत का नागरिक होना चाहिए और उसकी आयु 18 वर्ष से ज्यादा होनी चाहिए।'

अरब सागर में मालवाहक जहाज अगवा कर रहे थे सोमालियाई डकैत, भारतीय नौसेना ने यूं नाकाम की साजिश

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में एक मालवाहक जहाज को अगवा होने से बचा लिया है। दरअसल, 18 चालक दल के सदस्यों के साथ माल्टा-ध्वज वाले जहाज का अपहरण करने की कोशिश की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय नौसेना ने शनिवार को कहा कि उसने अरब सागर की समुद्री घटना पर तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में निगरानी कर रहे नौसेना के समुद्री गश्ती विमान और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त पर उसके युद्धपोत को जहाज एमवी रुएन का पता लगाने के लिए तैनात किया गया। दरअसल, एक इमरजेंसी कॉल के बाद एमवी रुएन का पता लगाने और सहायता करने के लिए इन जहाजों को तैनात किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि अपहरण के प्रयास की सूचना गुरुवार को दी गई और भारतीय नौसेना ने तड़के घटना

क्षेत्र में अपने मिशन के लिए अपने गश्ती विमान तैनात किए। सूत्रों के मुताबिक हाईजैक किए गए समाज पर सोमालिया के समुद्री डाकू हो सकते हैं। नौसेना ने कहा कि उसके विमान ने अपहरण हुए जहाज के ऊपर से उड़ान भरी और वह लगातार जहाज की गतिविधियों पर नजर रख रही है। दरअसल, वह जहाज लगातार सोमालिया के तट की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, 'विकासशील स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, भारतीय नौसेना ने अपने नौसैनिक समुद्री गश्ती विमान को क्षेत्र में निगरानी करने और एमवी रुएन का पता लगाने और सहायता करने के लिए अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती विरोधी गश्त पर भेज दिया।'

कश्मीर में रात का तापमान बढ़ने से ठंड में थोड़ा सुधारः मौसम विभाग

श्रीनगर। उत्तर और मध्य कश्मीर में शीत लहर की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है हालांकि दक्षिणी कश्मीर में शीत लहर और तेज हो गई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने कहा कि कश्मीर के सभी मौसम केंद्रों ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को शून्य से नीचे तापमान दर्ज किया।रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में बुधवार की रात इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही, जब न्यूनतम तापमान -5.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। दक्षिण कश्मीर का शोपियां कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां न्यूनतम तापमान पिछली रात के शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे के मुकाबले शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में रात का तापमान शून्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं कोकेरनाग क्षेत्र में न्यूनतम तापमान -3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता ने कहा कि एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ आज दोपहर से कल सुबह के बीच जम्मू-कश्मीर को प्रभावित करने वाला है।

रामभद्राचार्य के अमृत महोत्सव में शामिल हो सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रपति

नई दिल्ली। जगदगुरु रामभद्राचार्य के अमृत महोत्सव की तैयारी तेज हो चली है। अमृत महोत्सव के क्रम में रामनगरी में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक अनुष्ठान की तैयारी है। 22 जनवरी को समापन कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं। रामभद्राचार्य की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदि मुर्मू को भी आमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी आमंत्रित किया गया है। रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास ने बताया कि कार्यक्रम में करीब एक लाख भक्तों के आने की संभावना है। इसके अलावा आठ राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी आमंत्रित किये जा रहे हैं।

गोवा एयरपोर्ट पर महिला के साथ अभद्रता के आरोप पर सीएम स्टालिन का बड़ा बयान, बोले- हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं है

चेन्नई। तमिलनाडुके मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गोवा हवाई अड्डे पर चेन्नई की एक महिला के साथ अभद्रता को लेकर निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि चेन्नई की महिला को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक कर्मी द्वारा इसलिए परेशान किया गया क्योंकि वह वह हिंदी नहीं जानती थी। इस पर सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि हिंदी भारत की राष्ट्रीय भाषा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक बात है कि लोगों को हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बता दें कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) देश के 67 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा करता है। सीएम स्टालिन ने एक्स पर सीआईएसएफ को टैग करते हुए एक पोस्ट में लिखा कि गोवा एयरपोर्ट पर एक तमिल लड़की से हिंदी में बात करते समय उसने कहा कि उसे हिंदी नहीं आती। इसके बाद सीआईएसएफ के जवान ने कहा कि तमिलनाडु भारत में है और भारत में हर किसी को हिंदी सीखनी चाहिए। यह बेहद निंदनीय है। उन्होंने आगे अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्हें कौन बताएगा कि हिंदी राजभाषा है, राष्ट्रभाषा नहीं? भारत विभिन्न भाषाएँ बोलने वाले लोगों का एक संघीय राज्य है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को इस तरह से कार्य करना चाहिए जिससे संघवाद पर जोर दिया जा सके। हवाई अड्डों पर सभी भाषाओं को उचित मूल्य और सम्मान दिया जाना चाहिए। भारत में भेदभाव का कोई स्थान नहीं स्टालिन ने कहा कि भारत में भेदभाव का कोई स्थान नहीं है और आइए सभी भाषाओं के लिए समान सम्मान सुनिश्चित करें। साथ ही एमके स्टालिन ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से अपने कर्मियों को यात्रियों के साथ व्यवहार करने के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

पैरा तीरंदाज शीतल की अनुरक्षक बनकर खुशी महसूस हो रही है : रोमिका शर्मा

जोहानिसबर्ग। नई दिल्ली, 16 दिसंबर (हि.स.)। रोमिका शर्मा, पैरा तीरंदाज शीतल देवी की जिंदगी में बेहद अहम शख्सियत बनी हुई हैं। जहां शीतल अपनी प्रतिभा से दुनिया भर का ध्यान आकर्षित कर रहीं हैं, वहीं, रोमिका चुपचाप शीतल की सहायता टीम में सबसे अभिन्न व्यक्तियों में से एक हैं। शीतल खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) के पैरा तीरंदाजी इवेंट में कंपाउंड महिला ओपन वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और फाइनल में पहले ही जगह बना चुकी हैं। केआईपीजी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में रोमिका ने कहा, शीतल एशियाई पैरा खेलों के बाद कुछ समय तक प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहीं थीं, लेकिन अब मैं यहां उनके स्कोर से खुश हूं। वह अच्छे अंदाज में फाइनल में पहुंची हैं।

शीतल ने मुझे बताया कि वह यहां खेलो इंडिया पैरा गेम्स की व्यवस्था से खुश है। इस प्रतियोगिता और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कोई अंतर नहीं है। रोमिका, जो स्वयं एक कंपाउंड तीरंदाज है, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान शीतल की अनुरक्षक होती है। जेएंडके की जोड़ी इस समय जेएलएन स्टेडियम में है और उनके बीच की केमिस्ट्री को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रोमिका ने कहा, मुझे शीतल की अनुरक्षक बनकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। तीन साल पहले कोच कुलदीप वेदवान के अनुरोध पर मैं उनसे नेशनल्स में मिली थी और तभी से मैं उनके करीब रहने लगी।

मेसी की छह जर्सी 78 लाख डॉलर में बिकी, विश्व कप में पहनी थी

न्यूयॉर्क । अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी की पिछले साल विश्व कप के दौरान पहनी गई छह जर्सी नीलामी में 78 लाख डॉलर में बिकी। नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने यह घोषणा की। सोथबी ने बताया कि मेसी ने इन शर्ट को कतर में

2022 में खेले गए फीफा विश्व कप के पहले चरण के मैचों में पहना था। इस साल खेल से जुड़ी वस्तुओं की नीलामी में यह सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाली वस्तु रही। अर्जेंटीना ने विश्व कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर अपना तीसरा खिताब जीता था। निर्धारित समय तक दोनों टीम 3-3 से बराबरी पर थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया था। मेसी की इन शर्ट के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

टेस्ट फॉर्मेट में भारतीय महिलाओं ने हासिल की सबसे बड़ी जीत, कप्तान हरमनप्रीत ने कही यह बात

नवी मुंबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंगलैंड के खिलाफ खेला गया एकमात्र टेस्ट 347 रन से जीत लिया। यह महिला टेस्ट में रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है। टीम इंडिया को यह ऐतिहासिक जीत दिलाने में भारतीय ऑलराऊंडर दीप्ति शर्मा का बड़ा योगदान रहा। दीप्ति जहां बल्लेबाजी के दौरान एक अर्धशतक लगाने में सफल रही तो वहीं, गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 9 विकेट चटकाए। टेस्ट के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। उन्होंने टेस्ट जीतने के बाद अपने प्लेयरों का उत्साह बढ़ाया।

महिला टेस्ट में जीत का सबसे बड़ा अंतर (रनों के हिसाब से)

347 - भारतीय महिला बनाम इंगलैंड महिला, मुंबई, 2023
309- श्रीलंका महिला बनाम पाकिस्तान महिला, कोलंबो, 1998
188 - न्यूजीलैंड महिला बनाम दक्षिण अफ्रीका महिला, डरबन, 1972
186 - ऑस्ट्रेलिया महिला बनाम इंगलैंड महिला, एडिलेड, 1949
185 - इंग्लैंड महिला बनाम न्यूजीलैंड महिला, ऑकलैंड, 1949

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। मैच की शुरुआत में हम यही सोच रहे थे कि गेम कैसे जीता जाए। सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ। यह एक योजना थी, हमें उन योजनाओं को लागू करना था। इस खेल के शुरू होने से पहले तैयारी के लिए हमारे पास कुछ दिन थे। सभी खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी ली और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

पीकेएलः ईरान के अमीरमोहम्मद जफरदानेश ने यू मुंबा को दिलाई रोमांचक जीत

पुणे। ईरान के अमीरमोहम्मद जफरदानेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 10 के एक करीबी मुकाबले में यू मुंबा को पटना पाइरेट्स के खिलाफ 42-40 से रोमांचक जीत दिला दी। ईरान के रेडर जफरदानेश ने मुकाबले में सुपर 10 लगाते हुए 13 पॉइंट हासिल किए। जफरदानेश को विश्वनाथ वी का भी अच्छा साथ मिला, जिन्होंने मैच में 8 पॉइंट अर्जित किए। मैच के तीसरे मिनट में ही गुमान सिंह के मल्टी रेड पॉइंट के दम पर यू मुंबा की टीम 3-2 से आगे हो गई। इसके बाद दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने मिली। मैच के छठे मिनट तक दोनों टीमें 5-5 की बराबरी पर थी। पाइरेट्स और मुंबई की टीम एक-दूसरे के खिलाफ रेड का मुकाबला करती रहीं। लेकिन फिर सचिन ने शानदार रेड कर दिया

और इससे यू मुंबा के केवल तीन ही खिलाड़ी मैट पर रह गए। हालांकि, विश्वनाथ वी ने मल्टी रेड करके अंकित और सुधाकर एम को मैट से बाहर कर दिया। यू मुंबा की टीम इसके बाद 12वें मिनट में 10-9 से आगे हो गई।

मंजीत ने 15वें मिनट में सुपर टैकल किया और पाइरेट्स को 11-13 के स्कोर के साथ मुकाबले में बनाए रखा। सचिन ने साथ ही डिफेंस में भी टीम का बेहतरीन सपोर्ट किया। इसके बाद यू मुंबा का केवल एक ही खिलाड़ी मैट पर रह गया। लेकिन हेइदराली एकरामी ने शानदार रेड करके मुंबई को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि, पटना पाइरेट्स ने यू मुंबा पर दबाव बनाना जारी रखा। इसका फायदा उसे उस टाइम जाकर मिला जब 17वें मिनट में उसने विपक्षी टीम को ऑल आउट कर दिया। पटना पाइरेट्स की टीम शानदार लय में दिखने लगी और पहले हाफ की समाप्ति तक वे 21-18 से आगे थी। दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में भी सचिन का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने पटना पाइरेट्स को 23-19 से आगे कर दिया। हालांकि, यू मुंबा के लिए अमीरमोहम्मद जफरदानेश ने मल्टी रेड पॉइंट्स की झड़ी लगा दी। उनके इस प्रदर्शन के दम पर यू मुंबा ने मुकाबले में वापसी कर ली और अपने स्कोर को 26-25 के साथ एक पॉइंट की बढ़त बना ली।

चोटिल मोहम्मद शमी दक्षिण अफ्रीका टेस्ट से बाहर; एकदिनी श्रृंखला से हटे दीपक चाहर

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को उक्त जानकारी दी। इसके अलावा तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने पारिवारिक चिकित्सा आपातकाल के कारण आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप चाहर की जगह लेंगे।

शमी की अनुपस्थिति दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने की कोशिश कर रहे भारत के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने केवल 64 टेस्ट मैचों में 27.71 की बहुत अच्छी औसत से 229 विकेट लिए हैं और 2021-22 में अपनी पिछली यात्रा पर टीम के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 21 की औसत से 14 विकेट लिए थे। हालांकि बीसीसीआई ने शमी के प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, क्योंकि टीम के पास उनकी जगह लेने के लिए पांच तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा हैं बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर जोहान्सबर्ग में सिर्फ शुरुआती एकदिवसीय मैच का हिस्सा होंगे और टेस्ट से पहले इंट्रा-स्क्वाड रेड-बॉल अभ्यास मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। इस बीच, राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में पारस म्हाम्ब्रे (गेंदबाजी कोच), विक्रम राठौड़ (बल्लेबाजी कोच) और टी. दिलीप (क्षेत्ररक्षण कोच) का कोचिंग स्टाफ एकदिवसीय श्रृंखला का हिस्सा नहीं होगा। इसके बजाय वह लाल गेंद अभ्यास मैच और टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों की देखरेख करेंगे।

आईपीएल :रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या बने मुंबई इंडियंस के कप्तान

मुंबई। भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे, वह रोहित शर्मा की जगह लेंगे, जिन्होंने एक दशक तक टीम का नेतृत्व किया है और मुंबई को पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं, वह टूर्नामेंट के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी के साथ संयुक्त रूप से सबसे सफल कप्तान हैं। मुंबई ने हाल ही में हार्दिक को गुजरात टाइटंस से ट्रेड कर वापस अपनी टीम में शामिल किया है। हार्दिक की कप्तानी में गुजरात ने एक बार खिताब जीता है और पिछले सत्र में टीम उपविजेता रही थी।

हालाँकि यह घटनाक्रम कुछ लोगों के लिए आश्चर्य की बात हो सकती है, लेकिन जब मुंबई ने टाइटन्स से हार्दिक का व्यापार किया तो उसके पास एक स्पष्ट योजना थी। फ्रेंचाइजी ने हार्दिक को रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में पहचाना था और अतीत की तरह एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करना चाहती थी, जब कप्तानी की कमान सचिन तेंदुलकर से हरभजन सिंह और फिर रिकी पोंटिंग से रोहित के पास चली गई थी। समझा जाता है कि रोहित आईपीएल में मुंबई के लिए खेलना जारी रखेंगे।

मुंबई के वैश्विक प्रदर्शन प्रमुख महेला जयवर्धने ने एक बयान में कहा, यह विरासत के निर्माण और भविष्य के लिए तैयार रहने के एमआई दर्शन के प्रति सच्चे रहने का हिस्सा है। सचिन से लेकर

हरभजन और रिकी से लेकर रोहित तक मुंबई इंडियंस को हमेशा असाधारण नेतृत्व का आशीर्वाद मिला है, जिन्होंने तत्काल सफलता में योगदान देने के साथ-साथ भविष्य के लिए टीम को मजबूत करने पर भी हमेशा ध्यान दिया है। यह इस दर्शन के अनुरूप है कि हार्दिक आईपीएल 2024 सीजन के लिए मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालेंगे। जयवर्धने ने आगे कहा, हम रोहित शर्मा के असाधारण नेतृत्व के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं; 2013 से मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उनका कार्यकाल असाधारण से कम नहीं है।उनके नेतृत्व ने न केवल टीम को अद्वितीय सफलता दिलाई है, बल्कि आईपीएल के इतिहास में सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक के रूप में उन्होंने अपनी जगह भी मजबूत की है। उन्होंने आगे कहा, उनके मार्गदर्शन में, एमआई अब तक की सबसे सफल और पसंदीदा टीमों में से एक बन गई। हम एमआई को और मजबूत करने के लिए मैदान के अंदर और बाहर उनके मार्गदर्शन और अनुभव की प्रतीक्षा करेंगे। हम एमआई के नए कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या का स्वागत करते हैं और उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

कुल मिलाकर, रोहित ने आईपीएल और चैंपियंस लीग टी20 में 163 बार मुंबई का नेतृत्व किया, 91 मैच जीते, चार टाई रहे और 68 हारे। उनके नेतृत्व में, मुंबई पांच आईपीएल (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में) फाइनल में पहुंची और सभी में जीत दर्ज की। हालाँकि पिछले तीन सीज़न मुंबई के लिए कम सफल रहे हैं। वे 2021 और 2022 में प्लेऑफ़ में जगह बनाने में विफल रहे, और दूसरे क्वालीफायर में टाइटंस से हार के साथ 2023 टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

यूईएफए यूरोपा लीग : विलारियल ग्रुप एफ में शीर्ष पर, रियल बेटिस बाहर

वालेंसिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 5 देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 में अपने अभियान की शुरुआत मेजबान स्पेन के खिलाफ 3-2 से हार के साथ की। भारत के लिए गुरजीत कौर (13') और संगीता कुमारी (14') ने एक-एक गोल किया, जबकि स्पेन के लिए सारा बैरियोस नवारो (2'), पेट्रीसिया अल्वारेज़ नार्डिज़ (30') और जूलिया स्ट्रैपाटो गैरेटा (53') ने गोल किया। स्पेनिश टीम ने मैच की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और उसे अपने प्रयास का इनाम मिला और सारा बैरियोस नवारो ने खेल के दूसरे ही मिनट में गोल करते हुए अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद, भारत ने पलटवार करते हुए स्पेन को उसके आधे हिस्से में धकेल दिया और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। गुरजीत कौर ने इस मौके का फायदा उठाते हुए जोरदार झटका लगाया और गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके तुरंत बाद, संगीता

कुमारी ने स्पेनिश रक्षा में सेंध लगाकर एक और गोल कर भारत को बढ़त दिला दी। पहला क्वार्टर भारत के पक्ष में 2-1 से समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में स्पेन की मजबूत टीम ने वापसी की और पेट्रीसिया अल्वारेज़ नार्डिज़ के गोल की मदद से बराबरी कर ली। तीसरे क्वार्टर में कोई और गोल नहीं हुआ और दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर रहीं। स्पेन ने आखिरकार आखिरी क्वार्टर में गतिरोध तोड़ दिया जब जूलिया स्ट्रैपाटो गैरेटा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके 3-2 से अपनी टीम की जीत पक्की कर दी।

मिशन ओलंपिक : प्रियंका गोस्वामी को ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास करने की अनुमति मिली

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पैदल चाल की एथलीट प्रियंका गोस्वामी के ऑस्ट्रेलिया में कोच ब्रेंट वालेस की निगरानी में अभ्यास करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रियंका ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के निकट स्थित प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी।

उनको मिलने वाली वित्तीय सहायता में हवाई किराया, भोजन-आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्यय, कोचिंग शुल्क सहित अन्य खर्च शामिल होंगे। एमओसी ने इसके अलावा लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के विकास ग्रुप में शामिल ग्रीको रोमन पहलवान आशु (67 किग्रा), सूरज (55 किग्रा) और रोनित शर्मा (48 किग्रा) के कजाकिस्तान के अल्माटी में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। सरकार इन तीनों पहलवान, उनके कोच, फिजियोथैरेपिस्ट और सहयोगी के सभी खर्च उठाएगी। निशानेबाज भवनेश मेंदीरत्ता के विदेशी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ एक सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है। एमओसी ने निशानेबाज रमिता को निशानेबाजी की किट खरीदने और तीरंदाज यशदीप भोगे को तीरंदाजी उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। इसके अलावा पैरा एथलीट प्रणव सूरमा के खेल

उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता, इटली में डब्ल्यूटीटी फीडर बायला में भाग लेने के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के लिए वित्तीय सहायता और बैडमिंटन खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के दौरान सहयोगी स्टाफ रखने के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी गई।

जेराई जारागोजा ने संभाली बेंगलुरू एफसी की कमान, पहला मुकाबला जमशेदपुर से

बेंगलुरु। स्पेनिश कोच जेराई जारागोजा मुख्य कोच के रूप में बेंगलुरू लौट आए हैं और वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में ब्लूज के साथ नई पारी की शुरुआत करेंगे, जब बेंगलुरू एफसी अपने घरेलू मैदान श्री कांतीरावा स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ खेलेगी।

ब्लूज इस सीजन में अपने खेले 10 मैचों में मात्र एक जीत के साथ लड़खड़ा रहे हैं। उनका अभियान तेजी से शुरू हुआ, लेकिन यह धीरे-धीरे डगमगाने लगा। मुम्बई सिटी एफसी से मनोबल तोड़ने वाली 4-0 की हार के कारण साइमन ग्रेसन की विदाई हुई और जारागोजा का आगमन हुआ। जारागोजा उस कोचिंग सेटअप का हिस्सा था जो ब्लूज को 2018-19 में आईएसएल खिताब जीतने की राह पर लेकर गई थी।दूसरी ओर, हेड कोच स्कॉट कूपर की देखरेख में जमशेदपुर एफसी अपनी पहचान तलाश रही है। अपनी चिंताओं को किनारे रखते हुए, क्लब को इस सीजन में कुछ हासिल करने के लिए लगातार जीतने की सख्त जरूरत है। रेड माइनर्स अपने खेले नौ मैचों में से पांच हार चुके हैं और अब उनका सामना बेंगलुरू एफसी से है जो खुद भी इसी तरह की चुनौतियों से जूझ रही है। यह उन टीमों का मैच है जो इस समय एक जैसी समस्याओं का सामना

कर रही हैं, और कौन इनसे बाहर करने में कामयाब होता है, यह आज पता चलेगा।बेंगलुरू एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। यह एक क्लब था जिसने मेरा हाथ थामा। स्पेनिश क्लबों के अतिरिक्त यह एकमात्र क्लब है जिसका मैं हमेशा अनुसरण करता था। हम कप्तान और क्लब के लोगों के साथ हमेशा संपर्क में रहते हैं। हम हमेशा वापसी की संभावना के बारे में बात करते थे। मैं खुश हूं क्योंकि यही वह क्षण है। बीएफसी के लिए अभी समय अच्छा नहीं चल रहा है और मैं क्लब को वहां तक पहुंचाने में मदद करने के लिए यहां आया हूं, जहां उसे पहुंचना चाहिए। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच स्कॉट कूपर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,'हम इस मायने में बिल्कुल अलग हैं कि बेंगलुरू एफसी पिछले सीजन में चौथे स्थान पर थी, इसलिए वे इस बार में ज्यादा उम्मीदों के साथ आई थी।

Team india ने टेस्ट में इंगलैंड को चटाई धूल : इन 5 खिलाड़ियों ने रच दिया इतिहास

मुंबई। दो साल बाद टेस्ट खेल रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई के मैदान पर इतिहास रच दिया जब उन्होंने इंगलैंड को एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान तीसरे ही दिन 347 रन से शिकस्त दे दी। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी कल के स्कोर 6 विकेट पर 186 रन पर समाप्त घोषित करके इंग्लैंड के सामने 479 रन का असंभव लक्ष्य रखा। ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (32 रन देकर 4 विकेट) और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (23 रन देकर तीन विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके इंग्लैंड को 131 रन पर ढेर कर दिया। यह महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका ने 1998 में पाकिस्तान को 309 रन से हराया था। बहरहाल, टीम इंडिया के लिए इन पांच क्रिकेटरों की बदौलत यह बड़ी जीत संभव हुई।

दीप्ति शर्मा

भारतीय स्पिनर पूरी समय लाइमलाइट में रही। भारत जब बल्लेबाजी कर रहा था तो दीप्ति ने 18 गेंदों पर 20 रन बनाकर दर्शकों का मनोरंजन किया था। जब गेंद थामी तो भी मनोरंजन करती रही। दीप्ति ने पहली बारी में 5.3 ओवर में 4 मेडन फेंकते हुए 7 रन देकर 5 विकेट लीं। यह पांच विकेट तब आए जब इंगलैंड 108 रन पर तीन विकेट गंवा कर खेल रही थी। दीप्ति ने पांच विकेट लेकर इंगलैंड को 136 रन पर ही रोक दिया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 428 रन बनाए थे। इस तरह उनके पास बड़ी लीड रही। दूसरी पारी में भी दीप्ति ने अपनी गेंद का जादू दिखाया। और 8 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट चटका लीं। इससे भारत को बड़ी जीत मिली।

शुभा सतीश

भारतीय महिला क्रिकेटर शुभा के लिए यह डैब्यू मुकाबला था। टीम इंडिया ने जब 9 ओवर के अंदर अपने दोनों ओपनर्स गंवा लिए थे तो शुभा ने तेजतर्रार पारी खेलकर पारी को गति दी। इससे जेमिमा रोड्रिग्ज, हरनमप्रीत और यस्तिका भाटिया को खुलकर खेलने का मौका मिल गया। शुभा दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाई लेकिन उन्होंने अपना रोल बाखूबी अदा किया।

हरमनप्रीत कौर

भारतीय कप्तान टी20 सीरीज गंवाने के बाद खुलकर सामने आईं। उन्होंने एक छोर संभाला और रन गति को जारी रखा। हरमनप्रीत ने 81 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। यही नहीं दूसरी पारी में भी उन्होंने 67 गेंदों पर 44 रन बनाकर स्कोर 186 तक पहुंचा दिया। इससे टीम इंडिया के पास बड़ी लीड हो गई जिस तक पहुंचना इंगलैंड के लिए लगभग नमुमकिन सा हो गया।

पूजा वस्त्राकर

पूजा ने मुकाबले के दौरान अपनी सधी हुई बल्लेबाजी और गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया। पूजा बल्लेबाजी करते हुए दोनों पारियों (10 और 17) में नाबाद रहीं। इसी तरह पहली पारी में उन्होंने 39 रन देकर 1 तो दूसरी पारी में महज 4 ओवर में ही 3 विकेट चटकाकर इंगलैंड की कमर तोड़ दी। उन्होंने दूसरी पारी में खतरनाक बल्लेबाज सोफिया डंकले, कप्तान हीदर नाइट, नेट सीवर ब्रंट का विकेट लिया।

जूनियर हॉकी विश्व कप : स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मैच में भारत को दिखाना होगा दमखम

कुआलालंपुर ।अब तक मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही भारतीय टीम को अगर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मैच में मजबूत स्पेन को हराना है तो उसे जल्द से जल्द अपने खेल में सुधार करना होगा। भारत ने गुरुवार को जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 पेनल्टी कॉर्नर गंवाए जिससे इस मैच में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस पराजय से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा, लेकिन अगर उसे पोडियम (शीर्ष तीन में शामिल) पर पहुंचना है तो स्पेन के खिलाफ अवसरों को भुनाना होगा। पूल चरण के मैच में स्पेन ने भारत को 4-1 से हराया था। स्पेन की टीम भी दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस के हाथों 1-3 से हार के कारण आहत होगी लेकिन वह कांस्य पदक जीतने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। भारतीय टीम भी इस प्रतियोगिता में चौथी बार पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करेगी। उसने इस टूर्नामेंट में दो बार (होबार्ट में 2001 और लखनऊ में 2016) स्वर्ण पदक और 1997 में इंग्लैंड के मिल्टन केंस में रजत पदक जीता था। लेकिन उत्तम सिंह की अगुवाई वाली टीम को अगर इस सूची में शामिल होना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत के लिए यह प्रतियोगिता मिश्रित सफलता वाली रही है। उसने क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर चार टीम नीदरलैंड को 4-3 से हराया था लेकिन छह बार के चैंपियन जर्मनी के खिलाफ उसके खिलाड़ी यह लय बरकरार नहीं रख पाए। भारतीय कप्तान उत्तम ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई मौके गंवाए लेकिन साथ ही कहा कि उनके पास अब भी पोडियम पर पहुंचने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उत्तम ने कहा, 'हमें काफी मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए।

ऐश्वर्या राय

ने छोड़ा पति अभिषेक बच्चन का घर? तलाक की खबरों के बीच मायके शिफ्ट हुईं आराध्या की मां!

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन पिछले लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. कहा जा रहा है कि पति पत्नी के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है और कपल जल्द तलाक लेने वाले हैं.

क्या ऐश्वर्या राय ने छोड़ दिया पति अभिषेक बच्चन का घर?

वहीं तलाक की अफवाहों के बीच अब खबरें आ रही हैं कि ऐश्वर्या ने अपने पति अभिषेक बच्चन का घर छोड़ दिया है. जूम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि ऐश्वर्या इन दिनों अपनी मां के साथ मायके में रह रही हैं. दावा किया जा रहा है ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच दूरियां काफी बढ़ चुकी हैं. दोनों सिर्फ और सिर्फ अपनी बेटी आराध्या की वजह से साथ रह रहे थे. वरना सालों पहले ही दोनों के बीच दरारें आ चुकी हैं. हांलाकि, कपल की तरफ से अभी तक ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है. वहीं इन सबके बीच ये खबरें भी सामने आईं कि अमिताभ और ऐश्वर्या ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है.

जया बच्चन और श्वेता बच्चन में हैं 36 का आंकड़ा

बता दें कि सासु मां जया बच्चन से भी ऐश्वर्या राय बच्चन का रिश्ता कुछ खास नहीं है. कई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सालों पहले दोनों ने एक-दूसरे से बातचीत करना बंद कर दिया था. वहीं ऐश्वर्या की अपनी ननद श्वेता बच्चन से अनबन की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं. कई मौंको पर दोनों को एक दूसरे को इग्नोर करते हुए दिखाई दिए हैं. ंलाकि, बच्चन परिवार संग अनबन की खबरों के बीच कुछ दिन पहले ऐश्वर्या को पूरे बच्चन फैमिली के साथ स्पॉट किया गया था. दरअसल, फिल्म 'द आर्चीज' की स्क्रीनिंग पर अमिताभ बच्चन सहित पूरा बच्चन परिवार अगस्त्य नंदा को सपोर्ट करते हुए दिखा. इस दौरान ऐश्वर्या ने बच्चन फैमिली के संग हैप्पी ग्रुप फोटो भी क्लिक करवाई थी.

अंकिता लोखंडे

की पोल खोलना मुनव्वर फारुकी को पड़ेगा भारी, वीकेंड के वार पर सलमान खान लगाएंगे जमकर क्लास

टीवी का कॉन्ट्रोवर्शियल शो %बिग बॉस 17% इस समय दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है. शो में रोज ही कुछ न कुछ नया देखने को मिलता है. मुनव्वर फारुकी शो के पहले कैप्टन बन गए हैं. लेकिन कैप्टन बनते ही उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया है जिसके बाद सलमान खान उनकी जमकर क्लास लगाने वाले हैं.

मुनव्वर ने घरवालों के सामने अंकिता को किया था एक्सपोज

दरअसल, बीते एपिसोड में मुनव्वर को अंकिता लोखंडे की एक ऑडियो क्लीप सुनाई गई थी. इस ऑडियो में अंकिता अपने डॉक्टर्स से बाहर की बातें पूछ कर उसी हिसाब से गेम खेल रही हैं. इसके बाद बिग बॉस ने मुनव्वर से कहा था कि अगर ये आपको गेम से हिसाब से अनफेयर लगता है तो आप इस पर कोई भी फैसला ले सकते हैं.

मुनव्वर ने बंद की अंकिता की सर्विसेज

इसी के बाद मुनव्वर ने सभी घरवालों के सामने अंकिता की ये बात बताई और अपने फैसला सुनाते हुए अंकिता की स्पेशल ट्रीटमेंट सर्विस को बंद करवा दिया. लेकिन सलमान खान को मुनव्वर की यही बात पसंद नहीं आई है. वीकेंड के वार पर जो जमकर मुनव्वर की क्लास लगाने वाले हैं.

सलमान खान लगाएंगे मुनव्वर की क्लास

बिग बॉस फेन पेज, बिग बॉस तक के मुताबिक सलमान खान ने मुनव्वर को फटकार लगाते हुए कहा है कि- हमे उम्मीद थी कि आप अपने फैसला खुद लेंगे. आप सबके सामने अंकिता की बाते बताने के बजाए उनसे पर्सनली इस बारे में बात करते और खुद कोई फैसला लेते. अगर आप अंकिता को एक्सपोज करने के बजाए इस घड़ी में उनका साथ देते तो बाहर अच्छा मैसेज जाता. फिलहाल वीकेंड के वार में ही देखना होगा कि सलमान खान मुनव्वर को और क्या-क्या बातें सुनाते हैं.

TRP बढ़ाने के लिए 'Anupamaa' में होगी नए किरदारों की एंट्री, लीप के बाद नजर आएंगी मैं हूं अपराजिता की ये फेम एक्ट्रेस!

अनुपमा शो हमेशा टीआरपी चार्ट में टॉप पर रहता था लेकिन कुछ हफ्तों से इसने अपनी पोजिशन खो दी है. जी हां, शो अब टीआरपी टॉपर नहीं रहा. इस गिरावट की वजह समर का डेथ ट्रैक रहा है. जब से वह कहानी दिखाई गई, टीआरपी कम हो गई और अब मेकर्स टॉप पर आने के लिए शो में नया मोड़ लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं.

टीआरपी बढ़ाने के लिए अनुपमा में होगी नए किरदारों की एंट्री

हाल ही में अनुपमा का लेटेस्ट प्रोमो सामने आया, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा. प्रोमो के अनुसार, अनुपमा अमेरिका पहुंच जाती है लेकिन वह देश में बिल्कुल अकेली होती है और यहां तक कि उसका सामान भी खो जाता है. हालांकि, वह एक वेट्रेस के रूप में काम करना शुरू कर देती है और अनुज छोटी अनु के साथ उसी देश में रहता है. वह अब अनुपमा के साथ नहीं हैं.

लीप के बाद नजर आएंगी मैं हूं अपराजिता की ये फेम एक्ट्रेस!

हाल ही में दर्शकों ने निधि शाह उर्फ किंजल को शो में वापसी करते देखा. उन्होंने खुलासा किया कि वह पिछली कहानी बताने के लिए लौटी हैं जिससे शो में लीप आएगा. दर्शकों ने हाल ही में ये भी देखा कि अनुपमा, किंजल, छोटी अनु और परी का एक्सीडेंट हो जाता है. छोटी अनु को जलन होती है क्योंकि अनुपमा परी को पकड़ती है, जिससे कार उसका कार से एक्सीडेंट हो जाता है.

शो में ये हादसा अब कहानी को बड़े लीप की ओर ले जाएगा. इस लीप के साथ ही दर्शक शो में कई नए किरदारों की एंट्री देखेंगे. हाल ही में खबर आई थी कि आभा भटनागर बड़ी हो चुकी जो कि छोटी अनु का किरदार निभाएंगी. छोटी अनु का किरदार निभाने वाली अस्मि देव ने अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और अब वह शो में नहीं हैं.

लीप के बाद अनुपमा में एंट्री करेंगी प्रिंसी प्रजापति?

रिपोर्ट के मुताबिक ऑरा के अलावा श्वेता तिवारी की मैं हूं अपराजिता की को-स्टार प्रिंसी प्रजापति को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है. हालांकि, अनुपमा में वह क्या भूमिका निभाएंगी, इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है.

बता दें कि अभी अनुपमा में सुधांशु पांडे, मदालसा शर्मा, आशीष मेहरोत्रा, निशि सक्सेना, कुंवर अमरजीत सिंह, अल्पना बुच, मुस्कान बामने, अधिक मेहता, अपरा मेहता, अश्लेषा सावंत और भी अन्य कलाकार हैं.

मार्क एंटनी डायरेक्टर अधिक रविचंद्रन ने एक्टर प्रभु की बेटी ऐश्वर्या संग रचाई शादी, सामने आई न्यूली वेड कपल की पहली तस्वीर

फेमस डायरेक्टर अधिक रविचंद्रन शादी के बंधन में बंध गए हैं. रविचंद्रन ने दिग्गज अभिनेता प्रभु की बेटी और एक्टर विक्रम प्रभु की बहन ऐश्वर्या प्रभु से 15 दिसंबर, 2023 यानी आज चेन्नई में शादी कर ली. रविचंद्रन की शादी में कई साउथ सेलेब्स शामिल हुए हैं. मार्क एंटनी एक्टर विशाल भी न्यूली वेड कपल को बधाई देने पहुंचे थे.

विशाल ने पोस्ट कर रविचंद्रन-ऐश्वर्या प्रभु को दी शादी की बधाई

वहीं अधिक और ऐश्वर्या प्रभु की शादी में शामिल हुए एक्टर विशाल ने सोशल मीडिया पर कपल को बधाई देते हुए पोस्ट की जिसमें उन्होंने लिखा, मेरे प्यारे अधिक और मेरी सबसे प्यारी बहन ऐश्वर्या, आज आपकी शादी और आपके जीवन में एक नया

अध्याय शुरू होने पर बहुत खुशी हो रही है और आपको यूनिवर्स की ब्लेसिंग्स हैं. खासतौर पर आपके माता-पिता प्रभु सर और पुनिता आंटी का आशीर्वाद है. वशाल ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कमिंट टू द पॉइंट मेरी बहन शादी करने के बाद प्रिय अधिक बेहतर होगा कि आप एक प्रिंसेस की तरह उनकी केयर करें क्योंकि आप पहले ही एक एक्शन हीरो के साथ काम कर चुके हैं. आपको पता है कि स्टोर में क्या है, हाहा, मैं मजाक कर रहा हूं, मुझे पता है कि तुम ऐसा करोगे. क्या कॉइंसिडेंस है कि मेरी सभी बहनों का नाम ऐश्वर्या है. भगवान आप दोनों को शांति, सुख और समृद्धि प्रदान करें. हमेशा ढेर सारा प्यार.

अपनी शादी में ट्रेडिशनल लुक में जंचे अधिक रविचंद्रन-ऐश्वर्या प्रभु

वहीं अपनी शादी में रविचंद्रन ने व्हाइट धोती और शर्ट के साथ ट्रेडिशनल आउटफिट पहना था. जबकि उनकी दुल्हन ऐश्वर्या ने लाइट पिंक कलर की साड़ी पहनी थी और वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं.

मार्क एंटनी की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं अधिक रविचंद्रन

बता दें कि अधिक रविचंद्रन इन दिनों अपनी लेटेस्ट रिलीज साइंस फिक्शन कॉमेडी फिल्म मार्क एंटनी की सक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं.